NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 95 लखनऊ, बुधवार 20 नवंबर 2024 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

गोरखाओं की भर्ती फिर से हो सकती है शुरू ? आर्मी चीफ जनरल द्विवेदी का नेपाल दौरा क्यों है अहम

एजेंसी।
नई दिल्ली सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी गहरे द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को मजबूत करने के लिए इस सप्ताह नेपाल की चार दिवसीय यात्रा पर होंगे। जनरल द्विवेदी की नेपाल यात्रा में गोरखाओं की भर्ती को लेकर चर्चा होने की उम्मीद है, इसलिए यह यात्रा और भी खास हो जाती है। नेपाल सरकार ने अग्निपथ योजना के तहत भारतीय सेना में गोरखा सैनिकों को भेजने से इनकार कर दिया है। जनरल द्विवेदी 20 से 24 नवंबर तक अपनी यात्रा के दौरान, युद्ध अभ्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लेकर आधुनिकीकरण और क्षमता निर्माण तक, दोनों सेनाओं के बीच लंबे समय से चले आ रहे करीबी सैन्य सहयोग को और बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेद्र द्विवेदी अगले हफ्ते नेपाल दौरे पर जाएंगे। दोनों देशो के बीच मिलिट्री संबंध कैसे है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दोनों देशों की सेना एक–दूसरे के सेना प्रमुख को मानद जनरल की उपाधि देती है। दोनों सेनाओ की बीच यह परंपरा है। जनरल द्विवेदी जब नेपाल जाएंगे तो उन्हें भी नेपाल सेना मानद जनरल की उपाधि देगी। डिफेस सूत्रों के मुताबिक जनरल उपेद्र द्विवेदी नेपाल में श्री मुक्तिनाथ मंदिर का दौरा भी कर सकते है। भारत के पहले ब्वै जनरल बिपिन रावत भी इस मंदिर का दौरा करना चाहते थे। उनकी स्मृति में फरवरी 2023 में मंदिर में एक घंटा स्थापित किया गया जिसे शबिपिन बेलश नाम दिया गया। नेपाल और भारत की सेना के बीच मजबूत संबंध है। दोनों देश अपने प्रतिष्ठित सैन्य संस्थाओं में एक दूसरे की सेना के सैनिको को कोर्स भी करवाते है। डिफेंस सूत्रों के मुताबिक, इसी साल भारत में नेपाल सेना के 300 से ज्यादा सैनिको को ट्रेड किया गया। इसमे काउंटर इनसरजेसी, लीडरशिप डिवेलपमेंट और पीसकीपिंग पर फोकस किया गया। अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने में दोनों देश अहम साझेदार है। जनरल द्विवेदी की यात्रा का फोकस दोनों देशों की सेनाओं में चल रहे मॉर्डनाइजेशन पर भी होगा।

यूपी रोडवेज ड्राइवर बनने का सुनहरा मौका, एक साथ 7188 चालकों की होगी भर्ती

लखनऊ
यूपी परिवहन निगम में ड्राइवर के पदों पर बंपर भर्तियां होने जा रही हैं। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि विभाग में 7188 चालकों की संविदा पर भर्ती की जाएगी। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि विभाग में 7188 चालकों की संविदा पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए विभिन्न निगमों में रोजगार मेले का आयोजन होगा। यह मेला 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलेगा। उन्होंने बताया कि 28 नवंबर को नोएडा, आगरा, मुरादाबाद, लखनऊ एवं गोरखपुर में रोजगार मेला लगेगा। 2 दिसंबर को गाजियाबाद, अलीगढ़, बरेली, अयोध्या एवं वाराणसी में, 6 दिसंबर को मेरठ, इटावा, हरदोई, देवीपाटन एवं आजमगढ़ में, 10 दिसंबर को सहारानपुर,

झांसी, कानपुर, चित्रकूटध ाम–बांदा एवं प्रयागराज में रोजगार मेले लगेंगे। इन मेलों में 7188 चालकों की संविदा के आधार पर परिवहन निगम से संचालित बसों में (अनुबंधित बसों सहित) नियुक्ति की जाएगी। बता दें, महाकुंभ के मद्देनजर परिवहन बेड़े में सात हजार बसें शामिल होंगी। इसमें चालकों की कमी न हो, इसलिए चालकों की भर्ती की जाएगी। परिवहन निगम आगामी महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 7000 बसों का संचालन करेगा। प्रथम चरण में 3050 बसों का संचालन किया जाएगा, जबकि द्वितीय चरण में सभी 7000 बसों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। इसी तरह स्थानीय स्तर पर यात्रियों की सुविधा के लिए 550 सिटी बसों को भी संचालित किया जाएगा,

कैश कांड पर उद्धव ठाकरे ने भाजपा को घेरा, नोट जिहाद का लगाया आरोप

एजेंसी।
महाराष्ट्र। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदान शुरू होने से कुछ घंटे पहले भाजपा के एक वरिष्ठ नेता द्वारा पैसे बांटने के आरोपों के बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को नोट जिहाद पर कटाक्ष किया। भाजपा महासचिव विनोद तावड़े पर क्षेत्रीय संगठन बहुजन विकास अघाड़ी (बीवीए) द्वारा पालघर में मतदाताओं को नकदी बांटने का आरोप लगाया गया है, तावड़े और

भाजपा ने इस आरोप से इनकार किया है। ठाकरे ने भारत के चुनाव आयोग से कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि केवल तावड़े के खिलाफ मामला दर्ज करना पर्याप्त नहीं होगा। भाजपा नेताओं द्वारा लगाए गए नारे शबटेंगे तो कटेंगेश और ष्वोट जिहादष के दावों पर कटाक्ष करते हुए ठाकरे ने सवाल किया कि क्या यह बीजेपी का नोट जिहाद (वोट के लिए) है? बाटेंगे और जीतेंगे। पूरे महाराष्ट्र ने इसे देखा है। महाराष्ट्र कल फैसला करेगा। ठाकरे ने कहा कि कुछ राज्यों में सरकारें गिराने और नई सरकारें बनाने में मदद करने के लिए तावड़े की सराहना की गई। अब इसके पीछे का राज खुलकर सामने आ गया है। विरार के एक होटल में जोरदार ड्रामा हुआ, जहां तावड़े ठहरे हुए थे, जब बहुजन विकास अघाड़ी (बीवीए) के प्रमुख हितेंद्र ठाकुर ने भाजपा महासचिव पर मतदाताओं को पैसे बांटने का आरोप लगाया। भाजपा ने इन दावों का खंडन किया और तावड़े ने दावा किया कि वह पार्टी कार्यकर्ताओं को चुनाव प्रक्रियाओं के बारे में मार्गदर्शन करने के लिए नालासोपारा में थे, और विपक्षी दलों को उनकी गतिविधियों को सत्यापित करने की चुनौती दी।

महायुति ने शिंदे गुट के संजय खकवाले को घोषित किया अपना उम्मीदवार

, t॥ l hA
महाराष्ट विधानसभा चुनाव का संग्राम अपने अंतिम चरण में पहुँच चुका है। चुनाव आयोग की घोषणा की के अनुसार, पूरे राज्य में वोटिंग 20 नवंबर को होगी। जिसकी मतगणना 23 तारीख को मतगणना की जाएगी। इस बार का महाराष्ट्र चुनाव अपने आप में बहुत खास होने वाला है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का संग्राम अपने अंतिम चरण में पहुँच चुका है। चुनाव आयोग की घोषणा की के अनुसार, पूरे राज्य में वोटिंग 20 नवंबर को होगी। जिसकी मतगणना 23 तारीख को मतगणना की जाएगी। इस बार का महाराष्ट्र चुनाव अपने आप में बहुत खास होने वाला है क्योंकि इस बार स्थानीय दलों के बीच आई दरार के बाद पार्टियां पहली बार चुनावी मैदान में उतर रही हैं। राज्य की 288 विधानसभाओं में 22वें नंबर की विधानसभा सीट है बुलढाणा सीट। इस सीट पर शुरुआती दौर में लंबे वक्त तक कांग्रेस का कब्जा रहा है।

इस बार के चुनाव में महायुति ने इस सीट से संजय रामराव खाकवाले को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। हालांकि, इसके बाद यह सीट ज्यादातर शिवसेना के खाते में गई है। बुलढाणा विध ।ानसभा सीट पर शिवसेना का कब्जा है और यहां से संजय गायकवाड़ विधायक हैं। 1990 के बाद से ही यह सीट ज्यादातर शिवसेना के पास रही है। बीच में 1999 और 2014 के चुनाव छोड़ दिए जाएं तो यहां पर शिवसेना के उम्मीदवार ही जीत रहे हैं। 1999 और 2014 में यहां से कांग्रेस के उम्मीदवार ने बाजी मारी थी। हालांकि 2019 के चुनाव में फिर से यह सीट शिवसेना एसएचएस के पास चली गई थी। 2019 में क्या रहा परिणाम ?2019 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव की बात करें तो शिवसेना से टिकट लेकर संजय गायकवाड़ चुनावी मैदान में उतरे थे, वहीं वंचित बहुजन अघाड़ी पार्टी यानी वीबीए से विजय शिंदे और कांग्रेस से हर्षवर्धन सपकाल चुनावी मैदान में उतरे। इस त्रिकोणीय चुनाव में शिवसेना के संजय गायकवाड़ ने एकतरफा जीत दर्ज की। उन्होंने कुल 67,785 वोट हासिल किए थे। जबकि वीबीए के विजय शिंदे को 41,710 और कांग्रेस के हर्ष वर्धन सपकाल को 31,316 वोट से ही संतोष करना पड़ा था। इसका मतलब है कि एक निर्दलीय उम्मीदवार इस सीट पर कांग्रेस से ज्यादा वोट ले गया था। हालांकि इस सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार भी जीते हैं लेकिन पिछले चुनाव में शिवसेना ने कांग्रेस को तीसरे नंबर पर ढकेल दिया था। बुलढाणा विधानसभा सीट पर मुस्लिम समाज का बाहुल्य है, इनके वोट शेयर की बात की जाए तो यह करीब 16 प्रतिशत है। इनके बाद जाधव और इंगले समाज के लोग इस सीट पर बाकियों से ज्यादा हैं। इनमें जाधव 4 प्रतिशत और इंगले 2 प्रतिशत के आस–पास हैं।

कुमारस्वामी पर जमीर अहमद की टिप्पणी को लेकर हो सकता है एक्शन

एजेंसी।
कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने सोमवार को संकेत दिया कि केंद्रीय मंत्री और जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी के बारे में विवादास्पद टिप्पणी के बाद राज्य कांग्रेस मंत्री बीजेड जमीर अहमद खान के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर सकती है। खान ने कुमारस्वामी को कालिया कहा था, इस टिप्पणी की एनडीए ने नस्लवादी गाली के रूप में आलोचना की और व्यापक रूप से निंदा की। चन्नापटना उपचुनाव के प्रचार के दौरान की गई इस टिप्पणी के बाद कांग्रेस पदाधिकारियों ने सख्त अनुशासनात्मक कदम उठाने की मांग की है। परमेश्वर ने संवाददाताओं से कहा कि हमारे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने उपचुनाव के बाद कहा कि खान के बयान का चुनाव पर असर पड़ा। उन्होंने कहा कि राज्यसभा के पूर्व उपसभापति के रहमान खान के नेतृत्व वाली पार्टी की अनुशासन समिति शिवकुमार द्वारा भेजे जाने पर इस मामले को उठा सकती है।

परमेश्वर ने कहा कि अगर समिति को मामला गंभीर लगता है, तो वे उनके खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश कर सकते हैं।खान की टिप्पणी, जिसमें यह दावा भी शामिल था कि मुस्लिम समुदाय कुमारस्वामी परिवार को खरीद सकता है।

अब 'श्रीभूमि' के नाम जाना जाएगा असम का करीमगंज जिला, हिमंत बिस्वा सरमा ने किया ऐलान

एजेंसी
असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को घोषणा की कि राज्य कैबिनेट ने करीमगंज जिले का नाम बदलकर श्श्रीभूमिश करने का फैसला किया है। हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर लिखा कि 100 से अधिक साल पहले, कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर ने असम में आधुनिक करीमगंज जिले को श्रीभूमि– मां लक्ष्मी की भूमि के रूप में वर्णित किया था। आज असम कैबिनेट ने हमारे लोगों की इस लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा कर दिया है। कैबिनेट के फैसलों पर जानकारी देते हुए असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि असम कैबिनेट ने आज असम निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने का फैसला किया है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अपनी सहमति दे दी है। उन्होंने कहा कि असम कैबिनेट ने आज 30 दिसंबर से पहले पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूची प्रकाशित करने का फैसला किया है। यदि 30 दिसंबर तक मतदाता सूची प्रकाशित हो जाती है तो हम 10 फरवरी 2025 तक पंचायत चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। जनवरी 2025 के

पहले सप्ताह में पंचायत चुनाव की तिथि घोषित कर दी जायेगी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि बांग्लादेश के नौ लोगों को मंगलवार को करीमगंज जिले में अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के आरोप में असम पुलिस ने पकड़ा और पड़ोसी देश के अधिकारियों को सौंप दिया। पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान मोहम्मद मामून, अब्बू नईम, राशेद इस्लाम, मोराद अली मंडल, मोहम्मद असराफुल हक, मोहम्मद बसीर हवलदार, मोहम्मद रोबिउल हवलदार, मोहम्मद महाबत अली, मोहम्मद मोहिम हुसैन के रूप में की गई है।

बढ़ते प्रदूषण स्तर के बीच दिल्ली मेटरो में सफर करने वालों ने तोड़ा रिकार्ड, एक दिन में 78.67 लाख यात्रियों ने की यात्रा

आंकड़ों के अनुसार, यह आंकड़ा इस साल 20 अगस्त को 77.49 लाख यात्रियों के पिछले उच्चतम स्तर को पार कर गया। 18 नवंबर को, गुरुग्राम में मिलेनियम सिटी सेंटर को दिल्ली के समयपुर बादली से जोड़ने वाली येलो लाइन पर सबसे अधिक यात्री आए, जिसमें रिकॉर्ड 20.99 लाख यात्री थे। शदिल्ली की हवा जहरीली हैंश यह काफी समय से चर्चा का विषय बना हुआ हैं। सर्दियां शुरू होते ही दिल्ली और उसके आसपास के इलाके गैस चेंबर बन जाते हैं। राजधानी में प्रदूषण के बढ़ते स्तर के बीच दिल्ली मेट्रो ने अब तक की सबसे अधि ाक दैनिक सवारियों को हासिल किया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 18 नवंबर को 78. 67 लाख यात्रियों ने यात्रा की, जो अगस्त में स्थापित 77.49 लाख के पिछले मील के पत्थर को पार कर गया। आंकड़ों के

अनुसार, यह आंकड़ा इस साल 20 अगस्त को 77.49 लाख यात्रियों के पिछले उच्चतम स्तर को पार कर गया। 18 नवंबर को, गुरुग्राम में मिलेनियम सिटी सेंटर को दिल्ली के समयपुर बादली से जोड़ने वाली येलो लाइन पर सबसे अधिक यात्री आए, जिसमें रिकॉर्ड 20.99 लाख यात्री थे। ब्लू लाइन पर 20.80 लाख यात्री आए, जबकि रेड लाइन पर 8.56 लाख, पिंक लाइन पर 8.15 लाख और वॉयलेट लाइन पर 7.93 लाख यात्री आए। आंकड़ों के अनुसार, मैजेंटा लाइन पर 6.19 लाख यात्री आए, उसके बाद ग्रीन लाइन पर 4.12 लाख यात्री, एयरपोर्ट लाइन पर 81,985, रैपिड मेट्रो में 57,701 और ग्रे लाइन पर 50,128 यात्री आए। दिल्ली में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन भी धुंध छाई रही, प्रदूषण का स्तर 488 के साथ श्गंभीर प्लसश श्रेणी में खतरनाक रूप से उच्च रहा। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस परिदृश्य में अधिक लोगों को मेट्रो का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (क्डत्ब्) सप्ताह के दिनों में 60 अतिरिक्त यात्राएँ चला रहा है, जो सामान्य से अधिक क्षमता प्रदान करता है। बयान में कहा गया है कि क्डत्ब् ने इस साल अगस्त के बाद से अपनी 25 सबसे अधिक यात्री यात्राएँ दर्ज की हैं। इसने इस बात पर जोर दिया कि जितने अधिक लोग निजी वाहनों की तुलना में मेट्रो का विकल्प चुनेंगे, वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में उतनी ही अधिक कमी आएगी, जिससे शहर और उसके आसपास के क्षेत्रों की वायु गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिलेगी।

जम्मू–कश्मीर विस में विशेष दर्जा का मुद्दा उठाने के लिए अपने तीन विधायकों की प्रशंसा की

एजेंसी।
श्रीनगर । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) कीअध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने संविधान के अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने का मुद्दा जम्मू–कश्मीर विधानसभा के पहले सत्र के दौरान उठाने के लिए पार्टी के तीन विधायकों की सराहना की। महबूबा की अध्यक्षता में हुई एक बैठक के बाद पीडीपी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के अपने आधिकारिक हैंडल पर जारी पोस्ट में कहा, ''पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने आज श्रीनगर स्थित पार्टी मुख्यालय में पीडीपी विधायकों के प्रयासों की सराहना की।'' पीडीपी अध्यक्ष ने कहा,''ये चुनाव जम्मू–कश्मीर की पहचान और सम्मान की रक्षा के लिए थे। हमारे विधायकों ने अनुच्छेद 370 और 35ए को एकतरफा तरीके से हटाए जाने पर लोगों की गहरी चिंताओं को उठाया है। हमारे अधिकारों के लिए लड़ाई विध ाायिका और जनता के बीच जारी है।'' इस बैठक में पार्टी के तीन विध ाायकों वहीद पारा, रफीक नाइक और मीर मोहम्मद फैयाज के अलावा नईम अख्तर, अब्दुल रहमान वीरू, गुलाम नबी लोन, खुर्शीद आलम, बशारत बुखारी, आसिया नकाश और जहूर मीर जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हुए। पीडीपी विधायक दल के नेता पारा ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि पार्टी विधायक नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार को चुनाव प्रचार के दौरान किए गए वादों की याद दिलाते रहेंगे।

मद्रास उच्च न्यायालय ने टीएम कृष्णा को एमएस सुब्बुलक्ष्मी पुरस्कार देने पर रोक लगाई

एजेंसी।
मद्रास उच्च न्यायालय ने संगीत अकादमी को प्रसिद्ध गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी के नाम पर स्थापित पुरस्कार सुप्रसिद्ध कर्नाटक संगीत गायक टी एम कृष्णा को देने पर रोक लगा दी। यह रोक सुब्बुलक्ष्मी के पौत्र की याचिका पर लगाई गई। न्यायमूर्ति जी जयचंद्रन ने वी श्रीनिवासन द्वारा दायर याचिका पर यह आदेश पारित किया।

मद्रास उच्च न्यायालय ने मंगलवार को संगीत अकादमी को प्रसिद्ध गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी के नाम पर स्थापित पुरस्कार सुप्रसिद्ध कर्नाटक संगीत गायक टी एम कृष्णा को देने पर रोक लगा दी। यह रोक सुब्बुलक्ष्मी के पौत्र की याचिका पर लगाई गई। न्यायमूर्ति जी जयचंद्रन ने वी श्रीनिवासन द्वारा दायर याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिका में कृष्णा को संकिता कलानिधि एम एस सुब्बुलक्ष्मी पुरस्कार दिए जाने को चुनौती दी गई थी। श्रीनिवासन ने याचिका में आरोप लगाया कि चूंकि कृष्णा सोशल मीडिया मंच पर उनकी दादी के खिलाफ ''घृणित, अपमानजनक और निंदनीय हमले'' कर रहे थे ।

विश्व बाल दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित हुआ श्प्रगति 2024– स्वाभिमान और सफलता की ओर– कार्यक्रम

लखनऊ(आरएनएस), विश्व बाल दिवस की पूर्व संध्या पर लखनऊ स्थित दयाल गेटवे होटल में 'प्रगति 2024– स्वाभिमान और सफलता की ओर' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सीतापुर, हरदोई, बाराबंकी, बहराइच, रायबरेली और लखनऊ के 350 बच्चों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम यूनिसेफ और समग्र शिक्षा अभियान उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य बच्चों के आत्मसम्मान को बढ़ावा देना और उन्हें प्रोत्साहित करना था।कार्यक्रम में यूनिसेफ उत्तर प्रदेश के प्रमुख डॉ. जकारी ऐडम ने बच्चों को बाल अधिकारों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, ष्बच्चों को अपने अधिकारों के बारे में जानना चाहिए और आत्मसम्मान बनाए रखना चाहिए।ष इस वर्ष, 2024 में, यूनिसेफ का 75वां और संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार समझौते का 35वां वर्ष मनाया जा रहा है। इस साल के बाल दिवस का थीम 'भविष्य की बात सुनें' है।कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने लिंग समानता, आत्मसम्मान, विज्ञान, भेदभाव और विविधता जैसे विषयों पर प्रस्तुतियां दीं। साथ ही, एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों के रचनात्मक कार्यों और शिक्षण सामग्री को प्रदर्शित किया गया। बच्चों ने अपने सपनों के स्कूल से संबंधित एक ज्ञापन शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सौंपा। समग्र शिक्षा अभियान की अपर राज्य परियोजना निदेशक, एकता सिंह ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से बच्चों और शिक्षकों को एक–दूसरे से सीखने का मौका मिलता है। उन्होंने यह भी बताया कि जब बच्चे अपने कार्यों को सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत करते हैं तो उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। यूनिसेफ की शिक्षा विशेषज्ञ, प्रमिला मनोहरम ने बच्चों से कहा, ष्हर बच्चा खास है, इसलिए अपनी तुलना किसी से न करें और आत्मसम्मान बनाए रखें।ष समग्र शिक्षा अभियान के बालिका शिक्षा विशेषज्ञ मुकेश सिंह ने बच्चों से उनके सपनों के बारे में विस्तार से चर्चा की और उन्हें अपने सपनों को समझने और उन्हें पूरा करने के लिए प्रेरित किया।यूनिसेफ उत्तर प्रदेश के शिक्षा विशेषज्ञ, ऋत्विक पात्रा ने बताया कि आत्मसम्मान किशोरों के मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक विकास का एक अहम हिस्सा है, जो उनके आत्मविश्वास को बढ़ाता है और समस्याओं का समाधान खोजने की क्षमता को भी बढ़ाता है।2022 में समग्र शिक्षा अभियान और यूनिसेफ के सहयोग से प्रदेश के 20 जिलों में आत्मसम्मान कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी, जिसकी सफलता के बाद इसे पूरे राज्य में लागू किया गया है।

68वीं राष्ट्रीय विद्यालयी एथलेटिक्स अंडर–17 प्रतियोगिता का आयोजन लखनऊ में

लखनऊ,(आरएनएस) प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 26 से 30 नवम्बर 2024 तक 68वीं राष्ट्रीय विद्यालयी एथलेटिक्स अंडर–17 प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। योगी सरकार के इस पहल के तहत देशभर के युवा एथलीटों को एक बड़ा मंच मिलेगा, जहां वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। यह प्रतियोगिता गुरू गोविन्द सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगी, जिसमें देशभर से प्रतिभावान खिलाड़ी भाग लेंगे। इस आयोजन की ट्रॉफी और शुभंकर शसिंघाश का अनावरण मंगलवार को लोकभवन में किया गया। इस अवसर पर, अध्यक्ष एसजीएफआई और अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा दीपक कुमार ने प्रतियोगिता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बार की प्रतियोगिता कई मायनों में विशिष्ट होगी, और राज्य सरकार की ओर से खेलों को बढ़ावा देने के लिए श्स्पोर्ट्स फॉर स्कूलश कार्यक्रम भी शुरू किया गया है। इसके तहत छात्रों को खेलकूद में प्रोत्साहित करने के साथ–साथ उन्हें उच्चतम कोचिंग सुविधाएं भी प्रदान की जा रही हैं।दीपक कुमार ने बताया कि इन खेलों में इंटरनेशनल लेवल के उपकरणों का इस्तेमाल किया जाएगा। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आने वाले खिलाड़ियों को ठहरने, भोजन और यातायात की उत्तम व्यवस्था की जाएगी, साथ ही उन्हें उपहार भी दिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, यूपी के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण भी कराया जाएगा, जिससे यह आयोजन देशभर के खिलाड़ियों के लिए अविस्मरणीय बन जाएगा। उन्होंने इस प्रतियोगिता की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर जोर दिया और कहा कि योग्यता के आधार पर विजेताओं का सम्मान होगा। इस बार राज्य के प्रतीक श्बारहसिंघाश को खेलों का शुभंकर बनाया गया है। खेलों के समापन पर विजेताओं को वेटरन प्लेयर द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा, और प्रतियोगिता के विभिन्न इवेंट्स की लाइव स्ट्रीमिंग यूट्यूब के माध्यम से की जाएगी। सीएम योगी के विजन के तहत, श्स्पोर्ट्स फॉर स्कूलश कार्यक्रम में 18,500 बेसिक शिक्षा, 12,000 माध्यमिक शिक्षा और 733 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के 2,08,000 विद्यार्थियों को शामिल किया गया है। इसके अलावा, युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग देने के लिए डेनमार्क और स्वीडन जैसी विदेशी एजेंसियों का सहयोग लिया जा रहा है। इस आयोजन में महानिदेशक, स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा, विशेष सचिव, माध्यमिक शिक्षा कृष्ण कुमार गुप्त, और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

विश्व शौचालय दिवस पर लखनऊ में राष्ट्रीय ज्ञान कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ (आरएनएस)विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर लखनऊ के द सेन्ट्रम होटल में शहरी क्षेत्रों में सुरक्षा, स्वास्थ्य और गरिमा को बढ़ावा देने के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय ज्ञान कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। इस कार्यशाला का शुभारंभ केंद्रीय शहरी कार्य मंत्रालय के राज्यमंत्री तोखन साहू, प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा, राज्य मंत्री राकेश राठौर श्गुरूश, और भारत में अमेरिकी राजदूत एच.ई. एरिक गार्सेटी ने दीप जलाकर किया।कार्यशाला में केंद्रीय ऊर्जा, आवासन व शहरी कार्य मंत्रालय के मंत्री मनोहर लाल जी ने स्वच्छता का संदेश देते हुए कहा कि सभी राज्य सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालयों की सफाई, रखरखाव और सुरक्षा पर विशेष ध्यान देंगे, और लोगों को इनका इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के तहत किए गए प्रयासों की सराहना की और शहरी क्षेत्रों में शौचालय की स्वच्छता और जल प्रबंधन के महत्व को रेखांकित किया।केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन की सफलता का जिक्र किया और बताया कि अब देश खुले में शौच से मुक्त हो चुका है। उन्होंने स्वच्छता को राष्ट्रीय संकल्प के रूप में पेश किया और इसे स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामाजिक सम्मान से जोड़ा।प्रदेश के नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्रदेश में किए गए प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में लाखों शौचालयों का निर्माण हुआ है, और अब सफाई कर्मियों को उनके कार्यों का पूरा सम्मान मिल रहा है। उन्होंने लखनऊ की स्वच्छता को भी सराहा और महाकुंभ 2025 के आयोजन में सफाई की विशेष व्यवस्था की बात की।कार्यशाला में विभिन्न शहरी विकास योजनाओं पर चर्चा की गई, जिनमें कूड़ा प्रबंधन, जल पुनर्चक्रण और शहरी स्वच्छता को बढ़ावा देने के उपाय शामिल हैं। इसके अलावा, कार्यशाला में सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालयों के डिजाइन और रखरखाव पर प्रकाश डाला गया।इस अवसर पर भारत सरकार के शहरी कार्य मंत्रालय

अखाड़ों को जमीन आवंटन का काम पूरा

25 हेक्टेयर में बसेंगे अखाड़े, पांच अखाड़ों का भूमि पूजन आज

प्रयागराज।(आरएनएस) महाकुम्भ 2025 के लिए अखाड़ों का जमीन आवंटन पूरा हो गया है। मेला क्षेत्र में अखाड़े लगभग 25 हेक्टेयर में बसेंगे। सोमवार को सात संन्यासी, दो उदासीन व निर्मल अखाड़े को जमीन आवंटन हुआ था। अनि अखाड़े के संत आवंटन में नहीं पहुंच सके थे। मंगलवार दोपहर को तीनों अनि अखाड़ों का जमीन आवंटन पूरा कर लिया गया।

जिला प्रशासन की ओर से एडीएम कुम्भ दयानंद प्रसाद, विवेक चतुर्वेदी, मेला प्रबंधक विवेक शुक्ला, चंद्रिका त्रिपाठी ने अखाड़े के संतों को जमीन दिखाई। निर्मोही अखाड़े से महंत राजेंद्र दास, महंत रामजी दास, दिगंबर अखाड़े से महंत वैष्णव दास, महंत बलराम दास, निर्वाणी अनि अखाड़े से महंत मुरलीदास और महंत मोहनदास की मौजूदगी में प्रक्रिया शुरू हुई। प्रशासन ने पूर्व निर्धारित स्थान पर जमीन दिखाई। जिस पर संतों ने संतोष जाहिर किया। आवंटन के साथ ही संतों ने अपनी जमीन पर निशान लगा लिया। एडीएम कुम्भ मेला विवेक चतुर्वेदी का कहना है कि सभी अखाड़े कुल 25 हेक्टेयर में बसेंगे। वहीं महंत राजेंद्र दास का कहना है कि जमीन निर्धारित स्थान पर दी गई है।

अखाड़ों को जमीन आवंटन के बाद अब भूमि पूजन शुरू होगा। बुधवार को सुबह 11 बजे जूना, आवाहन, अग्नि, निरंजनी और आनंद अखाड़े का भूमि पूजन एक साथ होगा। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्रपुरी का कहना है कि एक साथ पूजन कर यहां पर निर्माण का काम शुरू करा दिया जाएगा। जिससे आने वाले समय में नागा सांन्यासियों को रहने का प्रबंध हो सके।

85 ट्यूबवेल से होगी पूरे महाकुंभ मेला क्षेत्र में 24 घंटे निर्बाध पानी की सप्लाई

प्रयागराज।(आरएनएस) महाकुंभ 2025 को स्वच्छ और सुगम बनाने की दिशा में उत्तर प्रदेश जल निगम नगरीय पूरे जोश और उत्साह के साथ कार्यरत है। सीएम योगी के निर्देशों के मुताबिक जिस तरह महाकुंभ नगरी ने आकार लेना शुरू कर दिया है, उसके साथ ही महाकुंभ क्षेत्र में सुविधा व्यवस्थाओं का भी इंतजाम शुरू हो गया है। इस दिशा में यूपी जल निगम नगरीय, प्रयागराज पूरे मेला क्षेत्र में 24 घंटे निर्बाध पानी सप्लाई के लिए 15 नये ट्यूबवेल लगा रहा है। इसके अतिरिक्त पुराने ट्यूबवेलों की मरम्मत कर लगभग 85 ट्यूबवेलों की मदद से पूरे मेला क्षेत्र को महाकुंभ के दौरान निर्बाध पानी की सप्लाई की जाएगी। जिससे मेला क्षेत्र में रहने वाले कल्पवासियों और साधु–संन्यासियों को असुविधा का सामना न करना पड़े।महाकुंभ 2025 के दौरान 25 सेक्टरों में फैले मेला क्षेत्र में निर्बाध पानी सप्लाई का कार्य यूपी जल निगम नगरीय कर रहा है। सीएम योगी के निर्देशों के मुताबिक पूरे मेला क्षेत्र में 24 घंटे निर्बाध पानी की सप्लाई की जाएगी। इसके संबध में बताते हुए जल निगम नगरीय के अधिशासी अभियंता अमित राज ने बताया कि 45 दिनों के महाकुंभ आयोजन में निर्बाध पानी सप्लाई 85 ट्यूबवेलों की मदद से की जाएगी। इसके लिए जल निगम नगरीय, मेला क्षेत्र में 15 नये ट्यूबवेल लगा रहा है। महाकुंभ 2025 का मेला क्षेत्र अब तक के कुंभ मेलों की तुलाना में सबसे बड़ा है, जो कि 25 सेक्टर में फैला हुआ है। जिसके लिए शेष 70 ट्यूबवेलों की मरम्मत का कार्य चल रहा है। इनमें से अन्य 15 ट्यूबवेलों को पूरी तरह से रिन्यु किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि निर्बाध जलापूर्ति के लिए ये सारा कार्य 30 नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

बालीवुड के आर्ट डायरेक्टर 07 दिन में तैयार कर देंगे महाकुंभ का कंट्रोल रूम

प्रयागराज।(आरएनएस) महाकुंभ 2025 को सनातन धर्म का सबसे बड़ा आयोजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार हर आपात स्थिति से निपटने की तैयारी कर रही है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम में किसी तरह की कोई बाधा न पहुंचे और साथ ही यहां आने वाले 45 करोड़ लोगों की सुरक्षा का पूरा प्लान तैयार कर लिया गया है। इसके लिए मेला क्षेत्र में बाकायदा हाईटेक कंट्रोल रूम बनाया जा रहा है। इस कंट्रोल रूम में हाई लेवल मीटिंग के अलावा आला अफसरों की टीमें बैठकर महाकुंभ के लिए रणनीति तैयार करेंगी। खास बात ये है कि इस कंट्रोल रूम का निर्माण बॉलीवुड के प्रसिद्ध आर्ट डायरेक्टर द्वारा कराया जा रहा है। उनका दावा है कि विशेष सुविधाओं वाला यह कंट्रोल रूम 7 दिन के भीतर बनकर तैयार हो जाएगा।

अपर मेलाधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि कंट्रोल रूम में श्रद्धालुओं को लेकर होने वाले जरूरी इंतजाम के लिए वीआईपी मीटिंग होंगी। साथ में कॉन्फ्रेंस हॉल और करोड़ों लोगों तक सही समय पर उचित जानकारी पहुंचाने के लिए मीडिया के ब्लॉक भी बनाए जा रहे हैं। इस कंट्रोल रूम में 50 से अधिक अफसरों के अलग–अलग प्रकार के केबिन बनाए जा रहे हैं। जिसमें सुरक्षा, प्रशासनिक कार्यों के साथ साथ चिकित्सा, पेयजल संबंधित कार्यों की निगरानी की जाएगी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर मेला प्राधिकरण ने

विशेष इंतजाम किया है। इसी के तहत हाईटेक कंट्रोल रूम बनाने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। इसके निर्माण में जुटे मुंबई से आए आर्ट डायरेक्टर और वास्तुकार पवन पांडे ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप कंट्रोल रूम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सात दिनों के भीतर इसे पूरी तरह तैयार कर लिया जाएगा। जिसमें बड़े पैमाने पर महाकुंभ से जुड़ी योजनाओं की जल्द से जल्द मॉनिटरिंग शुरू हो सकेगी। देश–विदेश से महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न होने पाए, इसके लिए बाकायदा रणनीति बनाने का काम भी इसी कंट्रोल रूम से किया जाएगा। विभागीय समन्वय के लिए यहीं पर कॉन्फ्रेंस हॉल रहेंगे और जन सुविधाओं से संबंधित जानकारी के लिए मीडिया के ब्लॉक भी यहीं पर अलग से बनाए जा रहे हैं।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में डीएपी उर्वरक आपूर्ति पर गहन समीक्षा

लखनऊ,(आरएनएस) प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में मंगलवार को विधान भवन स्थित कार्यालय कक्ष में डीएपी उर्वरक की आपूर्ति को लेकर गहन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संयुक्त कृषि निदेशक (उर्वरक), उत्तर प्रदेश और उर्वरक विनिर्माताओं तथा प्रदायकर्ताओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।इस दौरान, कृषि मंत्री ने भारत सरकार द्वारा नवंबर 2024 के लिए प्रेषित डीएपी उर्वरकों के आवंटन और आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की। जानकारी के अनुसार, विभिन्न कंपनियों द्वारा निर्धारित प्रोराटा प्लान के आधार पर उर्वरकों की आपूर्ति की गई है। उदाहरण के तौर पर, मै० एन०एफ०एल० ने 117 प्रतिशत, मै० आर०सी०एफ० ने 58 प्रतिशत, मै० इफको ने 90 प्रतिशत, और मै० हिण्डाल्को ने 124 प्रतिशत उर्वरक आपूर्ति की है।कृषि मंत्री ने उर्वरक आपूर्ति की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित करने के लिए उपस्थित कंपनियों के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया। उन्होंने यह भी कहा कि उर्वरकों की आपूर्ति में किसी भी प्रकार की देरी या कालाबाजारी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही, उर्वरक कंपनियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि वे थोक विक्रेताओं को उर्वरक समय से उपलब्ध कराएं और कोई अन्य उत्पाद उर्वरक के साथ न जोड़ें।उर्वरक की बिक्री पर भी सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए, ताकि किसानों को निर्धारित कीमतों पर उर्वरक मिल सके। यदि किसी भी विक्रेता द्वारा उर्वरक की अधिक मूल्य पर बिक्री या अवैध होल्डिंग की सूचना मिलती है, तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।इसके साथ ही, कृषि मंत्री ने किसानों को उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों को उनकी जोत के हिसाब से उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही, प्रदेश के किसानों के लिए उर्वरक रैक में सहकारी क्षेत्र को 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत उर्वरक उपलब्ध कराए जाने का निर्णय लिया गया है।इस बैठक में भारत सरकार द्वारा प्रेषित 127 फास्फेटिक उर्वरकों की 86 रैक प्रदेश में पहुंच चुकी हैं और शेष 41 रैक 2–3 दिनों में पहुंचने की उम्मीद है।

बिजली विभाग के जेई के घर ताला तोड़कर भीषण चोरी

प्रयागराज(आरएनएस)। धूमनगंज थाना क्षेत्र के राजरूपपुर में बिजली विभाग के जूनियर इंजीनियर के बंद मकान का ताला तोड़कर चोरी की घटना हो गई। गृहस्वामी को पड़ोसी ने फोन कर चोरी होने की सूचना दी। कमरे के अंदर आलमारी तोड़कर चोर लगभग 50 हजार रुपये मूल्य के जेवरात व अन्य अन्य सामान पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया है। वहीं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश में जुटी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजरूपपुर निवासी उमाकांश शर्मा वर्तमान में राज्य विद्युत विभाग राजस्थान में जूनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत है। उनके छोटे भाई शशिकांत शर्मा गलगोरिया विश्वविद्यालय में अस्सिटेंट प्रोफेसर है। दोनों भाइयों के सपरिवार बाहर रहने से पुश्तैनी मकान में ताला बंद रहता है। पड़ोसी राजेंद्र कुमार ने फोन कर उमाकांत शर्मा को उनके मकान का ताला तोड़कर चोरी होने की सूचना दी। यहां तक कि बोरे में सामान लेकर मकान की चहारदीवारी फांद कर एक युवक भी भागते हुए दिखा है। घटना की जानकारी होने पर उमाकांत शर्मा राजस्थान से पहुंचे। कमरे के अंदर आलमारी टूटी और सामान बिखरा था। थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

मतदान के लिए पोलिंग पार्टियाँ की रवाना

फूलपुर उपचुनाव के लिए मतदान आज, वोटों की गिनती 23 को

प्रयागराज(आरएनएस)। फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए पोलिंग पार्टियों की रवानगी हो गई सुबह आठ बजे से ही मतदान कार्मिक मुंडेरा मंडी परिषद पहुंच गए और मंडी परिषद में लगाई गई 22 टेबलों से सामान लेना शुरू कर दिया। दोपहर को सीडीओ गौरव कुमार भी मौके पर पहुंचे। फूलपुर विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव 20 नवंबर को होना है। इसके लिए 435 पोलिंग पार्टियां मुंडेरा मंडी पहुंची। सभी को आज ईवीएम दी गई। मतदान के बाद ईवीएम को वापस यहीं पर जमा किया जाएगा। जिससे लोगों को परेशानी न हो। 23 नवंबर को मुंडेरा मंडी परिषद में ही मतगणना होगी। फूलपुर विधानसभा उपचुनाव के तहत बुधवार को मतदान होगा। कुल 12 प्रत्याशी मैदान में हैं। चार लाख से अधिक मतदाता वोट डालेंगे। मतदान के लिए पोलिंग पार्टियां मंगलवार को ही अपने–अपने बूथों पर पहुंच गईं। पोलिंग पार्टियों को मुंडेरा मंडी परिसर से रवाना किया गया। मतदान के बाद ईवीएम भी मंडी परिसर में बने स्ट्रांग रूमें में रखी जाएंगी।

मतदान सुबह सात से शाम पांच बजे तक होगा। प्रशासन की ओर से चुनाव की तैयारी पूरी होने के दावे किए जा रहे हैं। मुंडेरा मंडी परिसर से मतदान कर्मियों के रवानगी की प्रक्रिया सुबह ही शुरू हो गई थी। नौ बजे से कर्मचारी पहुंचने भी लगे थे। हालांकि, ईवीएम वितरण की प्रक्रिया साढ़े ग्यारह बजे शुरू हो पाई। दिन में करीब तीन बजे तक ज्यादातर पोलिंग पार्टिंया अपने–अपने बूथ के लिए रवाना हो गईं थी। हर बूथ पर एक महिला कर्मचारी की ड्यूटी लगाई गई है। कर्मचारियों को ईवीएम, मतदान सामग्री के साथ कुछ जरूरी दवाएं भी उपलबध कराई गईं। बुधवार को मतदान के बाद ईवीएम भी मुंडेरा मंडी परिसर स्थित स्ट्रांग रूम में रखी जाएगी। कर्मचारियों को बसों से रवाना किया गया। पोलिंग पार्टिंयों की रवानगी के दौरान सीडीओ गौरव कुमार समेत अन्य अफसर मौजूद रहे। प्रेक्षक डॉ.एलए राल्ते ने भी निरीक्षण किया। प्रेक्षक ने पोलिंग पार्टियों की रवानगी के साथ स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल का भी निरीक्षण किया तथा जरूरी निर्देश दिए।

बैंक में नामित व्यक्ति मृतक के पैसों का मालिक नहीं– हाईकोर्ट

प्रयागराज।(आरएनएस) इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बैंक से प्राप्त धन पर लागू उत्तराधिकार कानून को स्पष्ट करते हुए बताया कि खाताधारक की मृत्यु के बाद नामांकित व्यक्ति को बैंक से धन प्राप्त करने का अधिकार है, लेकिन प्राप्त धन उत्तराधिकार कानूनों के अधीन होगा। मृतक के उत्तराधिकारियों का कानून के अनुसार उक्त राशि पर अधिकार होगा। बैंकिंग विनियमन अधिनियम,1949 की धारा 45– जेडए (2) केवल नामांकित व्यक्ति को जमाकर्ता की मृत्यु के बाद उसके स्थान पर रखती है। उसे खाते में पड़े धन को प्राप्त करने का विशेष अधिकार देती है। यह उसे जमाकर्ता के खाते के संबंध में जमाकर्ता के सभी अधिकार प्रदान करती है, लेकिन यह किसी भी तरह से नामित व्यक्ति को खाते में पड़े पैसे का मालिक नहीं बनाती। उसे पैसों को ट्रस्ट में रखना होता है और उत्तराधिकारियों की अनुमति से ही वह पैसे का अधिकारी बनता है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति विपिन चंद्र दीक्षित की खंडपीठ ने मनोज कुमार शर्मा की याचिका को निस्तारित करते हुए पारित किया। मौजूदा मामले में याची ने 8 फरवरी, 2020 को अपनी मां की मृत्यु के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा में बनाए गए एफडीआर खातों में जमा राशि को नामित व्यक्ति और कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में अपने पक्ष में जारी करने की मांग करते हुए हाईकोर्ट के समक्ष वर्तमान याचिका दाखिल की, जिसमें दावा किया कि वह धारा 45–जेडए के अनुसार पैसे प्राप्त करने का हकदार है।याची ने कोर्ट को बताया कि सिविल जज (सीनियर डिवीजन), मुरादाबाद ने उनके उत्तराधिकार के मुकदमे को इस आधार पर खारिज कर दिया कि याची की मां की कथित वसीयत को रद्द करने के लिए एक और मुकदमा लंबित है। सरकारी अधिवक्ता ने याची के दावे का विरोध करते हुए कहा कि भले ही याची को धन दिया जाना आवश्यक हो, लेकिन याची को उसे मृतक के कानूनी उत्तराधिकारियों के लिए ट्रस्ट में रखना होगा। हालांकि याची के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि नामित व्यक्ति अकेले ही बैंक से पैसे प्राप्त करने का हकदार है। बैंक से पैसे प्राप्त करने का अधिकार वसीयतनामे द्वारा पैसे पाने के अधिकार से अलग होता है। अंत में कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि याची को बैंक से धन प्राप्त करने का अधिकार है, क्योंकि वह नामित व्यक्ति है, लेकिन प्राप्त धन उत्तराधिकार कानूनों के अधीन होगा और मृतक के उत्तराधिकारियों का उक्त राशि पर अधिकार होगा।कोर्ट ने याची के अधिवक्ता द्वारा दिए गए इस वचन पर कि वह पैसे को ट्रस्ट में रखेगा और जब भी कानून की अदालतों द्वारा फैसला किया जाएगा तो कानूनी उत्तराधिकारियों को भुगतान करने के लिए वह उत्तरदायी होगा, बैंक ऑफ बड़ौदा को तीन सप्ताह के भीतर याची के पक्ष में एफडीआर में पड़ी राशि जारी करने का निर्देश दिया और याची को बैंक ऑफ बड़ौदा के समक्ष एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया कि उसे जो पैसा मिलेगा, वह ट्रस्ट में रखेगा व कानूनी उत्तराधिकारियों को तय होने पर भुगतान करने का वचन देगा।

इंदिरा मैराथनः आर्मी के धावक योगेश शर्मा और सोनिका बने विजेता

प्रयागराज।(आरएनएस) 39वीं इंदिरा मैराथन प्रतियोगिता को हैदराबाद के योगेश ने जीत ली है। वह पहले स्थान पर रहे दूसरे स्थान पर भदोही के कुलदीप सिंह और तीसरे स्थान पर गाजियाबाद के निशांत रहे। महिला वर्ग में हरियाणा की सोनिका अग्रवाल ने मैराथन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया है। दूसरे स्थान पर हरियाणा की ही रीनू सिंधु और तीसरे स्थान पर दिल्ली की सीमा रहीं। 39वीं अखिल भारतीय प्राइजमनी इंदिरा मैराथन प्रतियोगिता हैदराबाद के योगेश ने जीत ली है। वह पहले स्थान पर रहे। भदोही के कुलदीप सिंह दूसरे स्थान और गाजियाबाद के निशांत तीसरे स्थान पर रहे। धावक आनंद भवन से दौड़ शुरु करके स्वराज भवन, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, आयुक्त आवास, एनसीसी हेड क्वार्टर, महर्षि पतंजलि, म्योहाल चौराहा, धोबी घाट चौराहा, डीआईजी ऑफिस चौराहा, एजी ऑफिस चौराहा, पोलो ग्राउंड चौराहा, इलाहाबाद हाईकोर्ट, हनुमान मंदिर चौराहा, मेडिकल चौराहा, सीएमपी, डॉटपुल, बैरहना, नया पुल, डांडी, चाका ब्लॉक होते हुए दांदूपुर भारत पेट्रोल पंप तक पहुंचे। फिर इसी मार्ग से वापस आते हुए मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में फिनिशिंग लाइन पर अपनी दौड़ को समाप्त किया। इंदिरा मैराथन के दौरान यातायात व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रही। मैराथन मार्ग पर आवागमन को रोक दिया गया था। जिससे कि धावकों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। इंदिरा मैराथन के दौरान खेल विभाग की टीम धावकों के आगे–आगे बाइक से चल रही थी, ताकि किसी तरह की असमंजस की स्थिति पैदा न और धावक रास्ता भटक न सकें।

जगत तारन गर्ल्स डिग्री कश्वलेज में पाण्डुलिपि सम्पदा प्रदर्शनी का आयोजन

प्रयागराज।(आरएनएस) जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज प्रयागराज के प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग तथा संस्कृत विभाग द्वारा राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय (संस्कृति विभाग, उ.प्र.) के संयुक्त तत्त्वावधान में आज शविश्व विरासत सप्ताहश के अवसर पर पाण्डुलिपि सम्पदा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।प्रो. प्रकाश सिन्हा , प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और षविरासत रू व्यक्तित्व, व्यक्ति और संस्कृतिष विषय पर व्यख्यान दिया। उन्होंने व्यक्तित्व और संस्कृति की सापेक्षता को विभिन्न उद्धरणों से सिद्ध किया। सभ्यता के क्रमिक विकास को बड़े रोचक माध्यम से बताते हुए विरासत निर्माण पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही विरासत, संस्कृति एवं कुम्भपर्व पर आधारित अन्तर्महाविद्यालयीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के लगभग 40 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।प्राचार्या प्रो. आशिमा घोष ने अतिथियों का स्वागत किया और छात्राओं को अपनी विरासत को जानने और संरक्षण के लिये प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. मीनाश्री यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन डा अजिता ओझा ने किया।

इस अवसर पर प्रो. दीपशिखा बनर्जी, डा. निर्मला गुप्ता, डा. प्रमा द्विवेदी, डा. नम्रता देब, हरिश्चंद्र दुबे एवं डा. शाकिरा तलत समेत शोधार्थीगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर कांग्रेसजनों ने अर्पित किया श्रद्धा सुमन

प्रयागराज।(आरएनएस) भारत के पूर्व प्रधानमंत्री आयरन महिला, भारत रत्न स्वव इंदिरा गांधी की जयंती पर आज आनंद भवन मे महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन जी के नेतृत्व मे मनाई गई।इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए प्रदीप ने बताया कि स्व इंदिरा गांधी एक सशक्त भारत के निर्माण में अपने आप को न्योछावर कर दिया। उन्होने गरीबी उन्मूलन के लिए ठोस कदम उठाते हुए बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर दिया जिससे लोगों को महाजनी प्रथा से छुटकारा मिला। इंदिरा ने कहा कि मेरे खून का एक एक कतरा देश की एकता अखंडता के प्रति समर्पित है। जब देश मे सूखा और भुखमरी आई तब इंदिरा जी ने हरित क्रांति लेकर आई ऐसी नेता ना कभी हुईं है ना कभी होंगी। तत्पश्चात सर्किट हाउस स्थित स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गाँधी की प्रतिमा पर समस्त कांग्रेसियों ने माल्यार्पण किया। स्व इंदिरा जी की जयंती पर श्रद्धांजलि देने वालों में प्रमुख रुप से प्रदीप मिश्र अंशुमन, अरुण तिवारी, सुधाकर तिवारी, राजेश राकेश, रघुनाथ द्विवेदी, विनय पांडेय, फुजैल हाशमी, किशोर वार्ष्णेय, संजय तिवारी, दिवाकर भारतीय, मुकुंद तिवारी, विजय मिश्र, अशफाक अहमद, विनय दुबे, लल्लन पटेल, राम मनोरथ सरोज, महेश त्रिपाठी, आशीष पांडेय, अजेंद्र गौड़, सुशील मिश्रा,

गिरिधर मालवीय को कांग्रेसजनों की श्रद्धांजलि

प्रयागराज।(आरएनएस) शहर कांग्रेस कमेटी के सदस्यों ने न्यायमूर्ति और बीएचयू के कुलाधिपति गिरिधर मालवीय को श्रद्धांजलि प्रदान की। मंगलवार को प्रातः जार्जटाउन स्थित उनके आवास पहुंचे कांग्रेसजनों ने उनके पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर अंतिम श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन, यूपी कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता किशोर वार्ष्णेय, फुजैल हाशमी, सुधाकर तिवारी, हरिकेश त्रिपाठी, विजय मिश्रा, रघुनाथ द्विवेदी, विनय दुबे , लल्लन पटेल, विनय पांडेय, राम मनोरथ सरोज, रचना पांडेय , देवराज उपाध्याय आदि मौजूद थे।

इंडी प्रत्याशी ने भाजपा पर सत्ता का बेजा इस्तेमाल करने का लगाया आरोप

प्रयागराज।(आरएनएस) फूलपुर उपचुनाव में इण्डिया गठबंधन के उम्मीदवार हाजी मुजतबा सिद्दीकी ने आज पत्रकार वार्ता करके भाजपा पर सत्ता के बेजा इस्तेमाल करने एवं चुनाव में गड़बड़ी पैदा करने कि आशंका जताई।उन्होंने कहा कि भाजपा के दो कबीना मंत्री दया शंकर सिंह एवं राकेश सचान चुनाव प्रचार की समय सीमा खत्म होने के बाद भी चुनाव क्षेत्र में डटे हैं। सपा कार्यकर्ताओं के नाम लाल कार्ड जारी करके उन्हें हतोत्साहित किया जा रहा है। सपा एमएलसी डॉ मानसिंह यादव ने कहा कि भाजपा के विधायक पर आरोप लगाया कि वह हर्ष बाजपेयी सरकारी प्राथमिक विद्यालय को रात में खुलवाकर जन सभा किया और अपने भाषण में जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल किया जो कानूनी रूप से एवं चुनाव आचार संहिता दोनों के खिलाफ है। विधायक के इस आचरण को लेकर तुलसी पट्टी के प्रधान रामकृष्ण द्वारा थरवई थाने में प्रार्थना पत्र दिया जा चुका है

लेकिन अभी तक प्राथीमिकी नहीं दर्ज की गई है।सपा जिलाध्यक्ष अनिल यादव ने नामांकन से लेकर आज तक जिला प्रशासन पर भाजपा के साथ मिलकर काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने मतदान एवं मतगणना की प्रक्रिया को निष्पक्ष कराने के लिये भी आशंका जाहिर किया।

सपा नेताओं ने बताया कि इस बात की शिकायत चुनाव आयोग से भी कर दी गई है।

पत्रकार वार्ता के दौरान जिलाध्यक्ष अनिल यादव, प्रत्याशी मुजतबा सिद्दीकी, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, मीडिया प्रभारी दान बहादुर मधुर, महासचिव रविन्द्र यादव आदि मौजूद रहे।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सी.एम.एस. गोमती नगर कैम्ब्रिज सेक्शन द्वारा‘वार्षिक समारोह’ का भव्य आयोजन

लखनऊ, । सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर एक्सटेंशन कैम्पस के कैम्ब्रिज इण्टरनेशनल सेक्शन द्वारा ‘वार्षिक समारोह’ का भव्य आयोजन आज विद्यालय के ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ। समारोह का शुभारम्भ विद्यालय के छात्रों की माताओं द्वारा सुमधुर स्वर में प्रस्तुत ‘स्कूल प्रार्थना’ से हुआ तदुपरान्त सर्वधर्म प्रार्थना एवं विश्व एकता प्रार्थना के माध्यम से ‘सारे विश्व में शान्ति हो’ का जयघोष बड़े ही प्रभावशाली ढंग से किया। इसके अलावा, बैण्ड प्रस्तुति, लघु नाटिका, ड्रिल, स्टारलाइट बैण्ड आदि विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों की इन्द्रधनुषी छटा प्रस्तुत कर उपस्थित दर्शकों को गद्गद् कर दिया। इससे पहले, सी.एम.एस. संस्थापिका–निदेशिका व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. भारती गाँधी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत् उद्घाटन किया एवं सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन समेत कई अन्य गणमान्य अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर अपने उद्बोधन में सी.एम.एस. संस्थापिका–निदेशिका डा. भारती गाँधी ने कहा कि सी.एम.एस. भावी पीढ़ी को एक जम्मेदार, विचारवान, रचनाशील एवं कर्तव्यपराण विश्व नागरिक बनाने हेतु संकल्पित है और यह कैम्ब्रिज सेक्शन इसी उद्देश्य की पूर्ति करता है। सी.एम.एस. कैम्ब्रिज सेक्शन के छात्रों ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से विश्व स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, जो हम सभी के लिए गर्व की बात है। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने छात्रों की हौसलाअफजाई करते हुए कहा कि कैम्बिज का अनूठा पाठयक्रम व शिक्षण पद्धति छात्रों को स्पष्ट वैचारिक समझदारी तथा विषय का पूरा ज्ञान प्रदान करता है, जो आगे चलकर वैश्विक सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। सी.एम.एस. गोमती नगर एक्सटेंशन कैम्पस की प्रधानाचार्या श्रीमती संगीता बनर्जी ने अभिभावकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक बालक को अच्छा और स्मार्ट बनाने का विद्यालय का लक्ष्य अभिभावकों के सहयोग से ही पूरा हो सकता है।

आयुक्त रामजी लाल द्वारा मथुरा स्थित नगर निगम सभागार में जनसुनवाई की गयी

(मथुरा)(ए.के.शर्मा) मंगलवार को अपर नगर आयुक्त रामजी लाल द्वारा मथुरा स्थित नगर निगम सभागार में जनसुनवाई की गयी। जनसुनवाई में अपर नगर आयुक्त द्वारा सभी शिकायत कर्ताओं की शिकायत का संज्ञान लेकर मौके पर उपस्थित सम्बन्धित अधिकारी को कार्यवाही किये जाने के लिए निर्देशित किया गया। जनसुनवाई के दौरान नगर निगम मथुरा वृन्दावन में कुल 12 शिकायत प्राप्त हुयी, जिसमें आठ शिकायतों का निस्तारण टीम को भेजकर तत्काल करा दिया गया शेष लंबित चार शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित को निर्देशित किया गया। अपर नगर आयुक्त द्वारा उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्राप्त हुयी शिकायत का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत कराया जाये। जनसुनवाई में अनिल कुमार अपर नगर आयुक्त, राकेश कुमार त्यागी सहायक नगर आयुक्त, कल्पना सिंह चौहान सहायक नगर आयुक्त, मोहम्मद अनवर ख्वाजा महाप्रबंधक जल, नगर स्वास्थ्य अधिकारी गोपाल गर्ग, अमरेंद्र गौतम अधिशासी अभियंता सिविल एवं आदि अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नगर निगम ने अवैध बोर्ड, होर्डिंस हटाये

(मथुरा)(ए.के.शर्मा) नगर आयुक्त शशांक चौधरी के निर्देश पर मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के नेतृत्व में अवैध क्योस्क बोर्ड, होर्डिंग्स के विरूद्ध चलाये गये अभियान के तहत प्रवर्तन दल की टीम व राजस्व विभाग के कर्मचारियों के साथ नरहौली चौराहा से धौली प्याऊ, धौली प्याऊ से स्टेट बैंक चौराहा, स्टेट बैंक चौराहे से डेंपियर नगर होते हुए क्वालिटी तिराहा, क्वालिटी तिराहा से होली गेट होते हुए भरतपुर गेट एवं भूतेश्वर से नया बस स्टैंड अड्डा तक अवैध क्योस्क बोर्ड, होर्डिंग्स हटाये गये। अभियान में लगभग 200 क्योस्क बोर्ड तथा 24बड़े विज्ञापन पट हटाये गये। अभियान के दौरान कर अधीक्षक उम्मेद सिंह, राजस्व निरीक्षक यादवेन्द्र कुमार, व राजस्व विभाग के शंकर लाल व श्री दिनेश आदि उपस्थित रहे।

महाकुम्भ 2025 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए टूर गाइड्स को किया जा रहा प्रशिक्षित

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 प्रयागराज में पर्यटकों एवं तीर्थ यात्रियों की सुविधा हेतु गाइड ,वोटमैन, वेंडर्स, एवं टैक्सी ड्राइवरों को यातायात प्रशिक्षण कार्यक्रम मान्यवर कांशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान लखनऊ द्वारा प्रयागराज में होटल राही सिविल लाइंस में महाकुम्भ में सरल सुगम यातायात हेतु पुलिस उपायुक्त यातायात नीरज पाण्डेय वा अपर पुलिस उपायुक्त कुलदीप सिंह के निर्देशन में यातायात निरीक्षक पवन कुमार पाण्डेय द्वारा यातायात के नियमों के बारे में जागरूक किया गया। उनके द्वारा बताया गया की जो भी श्रद्धालु जिस भी मार्ग से आ रहे हो उन्हे सुगमता पूर्वक संगम या अन्य स्नान घाट तक पहुंचाए और मेले में वाहनों को चौराहों से उचित दूरी पर खड़ा होने के लिए उनके ड्राइवरों को बताए और स्नेहपूर्वक श्रद्धालुओं से चौराहे पर न खड़े होने को बताएं। मेले के निकटतम रेलवे स्टेशन के नाम वा दूरी की जानकारी अवश्य रखें साथ ही साथ क्षेत्र में ड्यूटी लगाई जाए उस सर्किल के एसएचओ,चौकी प्रभारी का नंबर जरूर सेव रखें मेले में किसी भी तरह के अफवाह को न फैलने दें जिससे भगदड़ की संभावना न होने पाए,यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति ,या कोई अप्रिय घटना घटित होती हैं तो आपने मोबाइल से अपना लाइव लोकेशन उच्च अधिकारियों को भेज कर डिटेल लिखकर अवगत कराएं। आपस के सहयोगी साथियों के साथ एक ग्रुप बना लें जो असुविधा हो आपस में समन्वय बनाए रखें, वसुधैव कुटुंबकम् सेवा भाव से मेले में जो भी नियम बनाए जाएंगे उसका पालन करें। जिस घाट पर छमता से अधिक भीड़ हो उन घाटों पर न जाने के श्रद्धालुओ से अपील करें और प्रशासन का सहयोग करें असुविधा होने पर मदद भी लेते रहें और शालीनता पूर्वक पालन कराएं। दूर दूर से आने वाले श्रद्धालुओं के प्रमुख मार्ग का भी ध्यान रखें और उनकी भाषा से भी यह समझ लीजिए की ये व्यक्ति किस राज्य का होगा उसे उसी रूट के तरफ का रास्ता बताएं।हर रूट के वाहन पार्किंग की भी जानकारी याद रखने की आवश्यकता है अतिथि देवो भव की भावना से मेले में अपना योगदान दें।जो अपने सगे संबंधियों से बिछड़ गए हो उन्हे साउंड सिस्टम से पुकारा कराएं और भूले भटके शिविर में भेजवा दें,मेले के दौरान शहर के प्रमुख चौराहों के वर्तमान नाम से ही नाम लें जिससे लोगों को सही स्थान तक ले जाया जा सके, संदिग्ध व्यक्तियों के दिखने पर प्रशासन को सूचना दें, जिससे मेले में किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए। आप सभी के अच्छे आचरण, ईमानदारी,प्रेम व्यवहार से ही मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के नजर में प्रायगराज की छवि उत्तम बन सकती हैं इसलिए आप सभी लोग प्रयागराज को मात्र मेले तक ही पर्यटन के केंद्र न बनने दें हमेशा था टूरिस्ट आए और जिससे प्रयागराज हमेशा टूरिस्ट का केंद्र बन जाए जिससे सभी को लाभ भी होगा। और देश विदेश में तीर्थराज प्रयागराज की अलग पहचान बनेगी। यह आयोजन असिस्टेंट प्रोफेसर प्रखर तिवारी के उपस्थिति में किया गया और प्रतिभागियों से प्रश्नोत्तरी कर उनके सवाल के जवाब दिया गया।जिसमें समाज सेवी नितीश शुक्ल,प्रदीप दुबे, रजित कुमार उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय भागीदारी उत्सव में पारंपरिक वाद्यों का शो बना आकर्षण का केन्द्र

उत्सव के पांचवे दिन ‘‘जनजाति विरासत संरक्षण एवं संवर्धन’’ विषय पर संगोष्ठी भी हुई

लखनऊ 19 नवम्बर। जनजाति विकास विभाग उत्तर प्रदेश, उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान और उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित लोक नायक बिरसा मुण्डा की जयंती ”जनजातीय गौरव दिवस“ के अवसर पर आयोजित ”अंतरराष्ट्रीय भागीदारी उत्सव“ के पांचवे दिन मंगलवार 19 को पारंपरिक वाद्यों का शो आकर्षण का केन्द्र बना। इसके साथ ही गोमती नगर स्थित संगीत नाटक अकादमी उ.प्र., परिसर में स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित ”जनजाति विरासत संरक्षण एवं संवर्धन“ विषयक संगोष्ठी में जानकारी विस्तार से दी गई।

समरीन के कुशल मंचीय संचालन में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में असम, छत्तीसगढ़, पंजाब, राजस्थान से लेकर झारखंड तक के कलाकारों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां हुईं। कार्यक्रम के आरंभ में राजस्थान के आए तेजपाल दल ने कच्छी घोड़ी नृत्य का प्रभावी प्रदर्शन किया। इसके साथ ही उड़ीसा का घुड़का नृत्य वासुदेव के निर्देशन में किया गया। उमेश निर्मलकर के निर्देशन में हुए छत्तीसगढ़ के भुंजिया आदिवासी नृत्य पेश किया गया। भुंजिया लोग साल के पत्ते, तेंदू के पत्ते, महुआ के फूलों से श्रंगार करते हैं। सभी तरह के मांगलिक अवसरों पर यह नृत्य किया जाता है। इसमें पुरुष धनुष बाण और महिलाएं डलिया लेकर एक साथ घेरे में नृत्य करते हैं। असम के दल ने पारंपरिक बर्दोई शिखला नृत्य किया। इसमें महिलाओं ने लाल पीले रंग की वेशभूषा धारण की हुई थी। ड्रम की तरह खम, बांसुरी की भांति सिंफू, वायलिन की तरह के वाद्य सिरजा के साथ यह सुंदर नृत्य किया गया। महिला कलाकारों के हाथों में एक तरह के झुनझुने जैसा पारंपरिक वाद्य जाबखिन भी था। पंजाब का शम्मी नृत्य सतवीर कौर बग्गा के निर्देशन में किया गया। बताते चले कि यह नृत्य बाजीगर, राय, लोबना और सांसी जनजातियों की महिलाओं द्वारा किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि यह नृत्य मूल रूप से राजस्थान के राजकुमार से जुदा हुई मारवाड़ की राजकुमारी सम्मी द्वारा किया गया था। इस महिला नृत्य में प्रेमिका का उल्लास, प्रेम और श्रंगार जोश के साथ प्रस्तुत किया जाता है। झारखण्ड का खड़िया नृत्य अनीता डुगडुग के निर्देशन में किया गया। इसमें कमर में हाथ डालकर महिलाएं एक घेरे में ढोल के थाप के साथ आगे पीछे चलकर सुंदर संयोजन का प्रदर्शन करती हैं। इसमें कलाकारों के सिर पर मोर भी शोभायमान हो रहा था। सिक्किम का लेपचा नृत्य पिनसुख के निर्देशन में पेश किया गया। इस नृत्य की खासियत यह है कि यह संदेश देता है कि जिस तरह हम लोगों को आजादी पसंद है ठीक उसी तरह जंगल के पशु पक्षियों को भी स्वतंत्रता भाती है। इसलिए हमें एक दूसरे का सम्मान करना चाहिए। छत्तीसगढ़ के संजू सेन ने लोक वाद्यों का मंचीय प्रदर्शन कर भारत की उन्नत परंपरा की सशक्त झांकी पेश की। इसमें उन्होंने लुप्त होते कई वाद्यों का प्रदर्शन प्रभावी ढंग से कर लोगों को उनके प्रति जागरूक किया गया। इसमें बाँस का झरना, बांस का नगाड़ा, दफड़ा गुदुम, डमऊ, टिमकी, तुर्रा खंजेरी, नगाड़ा, मांदर–मांदरी, ढोल, करसाल, खिचकिरी, टिककी, तास शंख, भैर धनकुल, बांसुरी, मोहरी, अल्गोजवा जैसे वाद्यों को साक्षात सुनना कला रसिकों के लिए स्वर्णिम अवसर रहा। उन्होंने मेरे देश की धरती की मनभावन धुन सुनाकर तालियां बटोरीं।

इसके साथ ही मंगलवार 19 नवम्बर को उ.प्र. लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान के निदेशक अतुल द्विवेदी और जनजाति विकास विभाग उ.प्र. की उप निदेशक डॉ. प्रियंका वर्मा के संयोजन में संगोष्ठी हुई। इसका विषय ”जनजाति विरासत संरक्षण एवं संवर्धन“ था। इस आयोजन की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी की पूर्व अध्यक्ष, भातखंडे समविश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति और वरिष्ठ कथक नृत्यांगना डॉ. पूर्णिमा पाण्डेय ने की। उन्होंने भारत सांस्कृतिक जनजागृति के माध्यम से ही दोबारा विश्व गुरु बन सकता है क्यों कि वास्तविक धनाढ्य वह होता है जिसकी अपनी थाती होती है और उसे संभालने वाले अपनी उन्नत संस्कृति पर गर्व करते हैं। समारोह के मुख्य अतिथि समाज कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने बताया कि समय की मांग है कि भारतीय संस्कृति और पर्यावरण का संरक्षण करने वाले भारत के वास्तविक दूतों और उनकी संस्कृति को पुस्तक, कॉफी टेबल बुक आदि के माध्यम से विश्व के समक्ष लाया जाए। इस दिशा में जल्द ही गोंड जनजाति पर एक कॉफी टेबल बुक प्रकाशित की जा रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वास्तव में लोक कलाएं विपरीत परिस्थितियों में जिजीविषा के लिए आवश्यक प्राणवायु का संचार करती है। आकाशवाणी के प्रमुख कार्यक्रम अधिशासी अजीत चतुर्वेदी ने बताया कि देश की बोलियों को संरक्षण देने की बहुत आवश्यकता है। आकाशवाणी इस दिशा में महती कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि 181 भाषाओं वाले आकाशवाणी में 120 चौनल बोलियों को समर्पित है वहीं 314 कुल चौनलों में डेढ़ सौ चौनल आदिवासी क्षेत्रों में सक्रिय हैं। यही नहीं पूर्वोत्तर के दूरदराज के क्षेत्रों में कम्यूनिटी रेडियो तक संचालित किये जा रहे हैं। इस संगोष्ठी के प्रतिभागी संजू सेन ने चिड़ियों की आवाज बांस से बने एक जल यंत्र के माध्यम से उत्पन्न कर प्रशंसा हासिल की। उन्होंने बताया कि उनके प्रयासों से बहेलियों में हिंसा के प्रति जनजागृति आयी है इसलिए अब वह चिड़ियों का शिकार कम कर रहे हैं। उमेश निर्मलकर ने बताया कि वह छत्तीसगढ़ के कगार भुंजिया आदिवासी नृत्यों को संरक्षण प्रदान कर रहे हैं। बेबी शाह ने बताया कि वह गोंडी गोटुल पाठशाला का संचालन कर रही हैं। इस अवसर पर अकादमी के निदेशक डॉ.शोभित कुमार नाहर और दूरदर्शन के कार्यक्रम प्रोड्यूसर ध्रुव चन्द्र ने भी अपने विचार रखे। उ.प्र. लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान के निदेशक अतुल द्विवेदी के अनुसार छठी और अंतिम शाम 20 नवम्बर को भी मंगलवार की संध्या में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दोबारा आनंद लिया जा सकेगा। इस क्रम में 20 नवम्बर को ”जनजाति विकास में गैर सरकारी संस्थाओं की भूमिका“ विषयक संगोष्ठी भी होगी। समापन समारोह की मुख्य अतिथि यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल होंगी।

स्काउट गाइड रैली का आयोजन आज दिनांक 20 को

जिला बहराइच अंतर्गत नानपारा में २१ वीं जनपदीय स्काउट गाइड रैली का आयोजन आज दिनांक २० को श्री शंकर इंटर कालेज नानपारा में सम्पन्न होगा। संयोजक श्री अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि जनपदीय स्काउट गाइड का उद्घाटन मनोज कुमार कुमार अहिरवार पी ई एस जिला विद्यालय निरीक्षक भारत स्काउट एंड गाइड के द्वारा होगा। इस तरह के आयोजन से आपसी भाईचारा व कर्तव्य निष्ठा की भावना जागृति होती है।।

ट्रेन से कटकर युवक और युवती की मौत

बरेली संवाददाता। बरेली के फतेहगंज पूर्वी इलाके में सोमवार रात ट्रेन से कटकर युवती और ग्रामीण की मौत हो गई। दोनों के शव अलग–अलग जगहों पर पड़े मिले। युवती की पहचान नहीं हो पाई है। उसका शव मोर्चरी में रखवाया गया। वहीं मृतक ग्रामीण की पहचान नरेंद्र के तौर पर हुई। वह शाहजहांपुर जिले का रहने वाला था।

सोमवार रात 11 बजे बहगुल नदी से आगे बिलपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास अपलाइन पर युवती (25 वर्ष) जयनगर–दिल्ली स्पेशल एक्सप्रेस की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौत हो गई। लोको पायलट ने बिलपुर स्टेशन मास्टर को जानकारी दी। स्टेशन मास्टर की सूचना पर आरपीएफ व पुलिस पहुंची। शव को ट्रैक से हटवाया। इस दौरान करीब 20 मिनट तक ट्रेनों का आवागमन बाधित रहा। थाना पुलिस ने शव की पहचान करवाने का प्रयास किया लेकिन पहचान नहीं हो पाई।

इसके बाद दूसरी घटना 11रू10 बजे डाउन लाइन पर हरेली रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई, जिसमें ग्रामीण की मौत हो गई। सूचना पर आरपीएफ के साथ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव रेलवे ट्रैक से हटवाकर रेल यातायात सुचारू करवाया गया। ट्रैक पर शव पड़ा होने के कारण करीब आधा घंटे तक ट्रेनों को टिसुआ, पीताम्बरपुर स्टेशनों पर रोका गया। ग्रामीण की पहचान नरेंद्र गांव मुजफ्फरपुर, थाना सिंधौली शाहजहांपुर के तौर पर उसके बहनोई कल्लू सिंह निवासी हरेली ने की।

मृतक के छोटे भाई मोनू ने बताया कि वे लोग हरेली गांव में अपनी बहन के यहां मकान बनवाकर रह रहे हैं। नरेंद्र की शादी हुई थी, लेकिन उसकी पत्नी उसे वर्षों पहले छोड़कर चली गई। वह पेंटिंग का कार्य करता था। रात 10 बजे खाना खाकर घर से गया था।

ये जानकारी नहीं है कि रेलवे ट्रैक पर कैसे पहुंचा। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। युवती के शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

संपादकीय

मणिपुर के सुलगते हालात

अफसोसनाक है कि इतनी लंबी अवधि में मणिपुर के सुलगते हालात को संभालने की कोई गंभीर कोशिश नहीं हुई है। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह और उनकी सरकार की तमाम नाकामियों के बावजूद उन्हें केंद्र का संरक्षण मिला रहा है।

मणिपुर में हफ्ते भर के अंदर जैसी हिंसा हुई है, उनसे यह सहज सवाल उठता है कि क्या इस राज्य पर किसी का नियंत्रण नहीं है? वारदात ने जैसा मोड़ लिया है, उससे भविष्य के लिए गहरी आशंकाएं पैदा होती हैं।

सोमवार को कुछ उग्रवादियों ने जिरीबाम जिले के जाकुरोदोर कारोंग में पुलिस थाने पर अंधाधुंध फायरिंग की। सुरक्षा बलों की वर्दी में आए इन उग्रवादियों ने एक सीआरपीएफ कैंप पर भी निशाना साधा। साथ ही उग्रवादियों ने पास के मार्केट में गोलीबारी की, कई दुकानों को जला डाला और कुछ मकानों को भी निशाना बनाया। उसके बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की।

उनके मुताबिक उनकी कार्रवाई में दस उग्रवादी मारे गए। जबकि कुकी–जो काउंसिल का दावा है कि मारे गए लोग ग्रामीण स्वयंसेवक थे।

हमार स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने दावा किया है कि 11 हमार ग्रामीण स्वयंसेवकों को मार डाला गया है। कुकी–जो काउंसिल ने उस इलाके में मंगलवार को दिन भर के बंद का आह्वान किया है। साफ है, स्थिति सुलगी हुई है।

पिछले हफ्ते जैरोन गांव में कुकी उग्रवादियों के हमले में एक महिला की जान गई थी और कई घर जला डाले गए थे। गौरतलब है कि इम्फाल घाटी में जारी हिंसा से लगभग साल भर तक जिरीबाम जिला अछूता रहा था। लेकिन गुजरे जून में एक किसान का शव मिलने के बाद से यह भी चपेट में आ चुका है। सबसे अफसोसनाक है कि इतनी लंबी अवधि में मणिपुर के सुलगते हालात को संभालने की कोई गंभीर कोशिश नहीं हुई है।

मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह और उनकी सरकार की तमाम संदिग्ध भूमिकाओं के बावजूद उन्हें केंद्र का संरक्षण मिला रहा है।

पिछले लोकसभा चुनाव में राज्य की दोनों सीटों पर सत्ताधारी दल को पराजित कर जनता ने जो संदेश दिया, उससे भी सुनने या समझने का प्रयास केंद्रीय नेतृत्व ने नहीं किया।

इससे धारणा बनी है कि मणिपुर के ताजा हालत सिर्फ प्रशासनिक नाकामी और अकुशलता का परिणाम नहीं हैं। शक गहराया है कि इसके पीछे अवांछित राजनीति की भूमिका भी हो सकती है। इसके हानिकारक परिणाम हमारे सामने हैं। उधर स्थितियां और भी खतरनाक मोड़ लेती दिख रही हैं।

ओपिनियन और एक्जिट पोल सब गलत साबित हुए

सोशल मीडिया में लगभग सन्नाटा है। यूट्यूब चौनल्स पर भी कोई खास शोर–शराबा नहीं है। मीडिया समूहों ने अपने चौनलों पर झारखंड विधानसभा के लिए पहले चरण के मतदान के बाद ओपिनियन पोल्स प्रसारित किए लेकिन किसी ने उन पर ध्यान नहीं दिया और न किसी ने उनको गंभीरता से लिया। चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों के आधार पर कोई भी पार्टी जीत का दावा भी नहीं कर रही है। मीडिया समूह खुद ही अपने सर्वेक्षण को लेकर भरोसे में नहीं हैं। सबसे दिलचस्प यह है कि लोकसभा चुनाव के समय तक जो ओपिनियन और एक्जिट पोल में जो बड़े नाम माने जाते थे वे तस्वीर से बाहर हो गए हैं। असल में लोकसभा चुनाव और उसके बाद हरियाणा विधानसभा चुनाव ने तमाम सर्वे एजेंसियों, मीडिया समूहों, सोशल मीडिया के योद्धाओं और यूट्यूब चौनल्स के पक्षपाती व अपेक्षाकृत निष्पक्ष पत्रकारों को भी गलत साबित कर दिया। किसी को समझ में नहीं आया कि आखिर क्या हुआ।

चार महीने में दूसरी बार ज्यादातर मीडिया समूह, सर्वे एजेंसियां और सोशल मीडिया के राजनीतिक विश्लेषक गलत साबित हुए। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में ज्यादातर मीडिया समूहों और सर्वे एजेंसियों ने भाजपा की जीत की भविष्यवाणी की थी। कई समूह तो ऐसे थे, जिन्होंने एक्जिट पोल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अबकी बार चार सौ पास्र्च के नारे को साकार होता देखा था।

भाजपा को तीन सौ से चार या उससे भी ज्यादा सीटें मिलने की भविष्यवाणी की जा रही थी। हालांकि श्नया इंडियाrj के इसी श्गपशफ्र्च कॉलम में चार जून के नतीजों से ठीक पहले वाले शनिवार यानी एक जून को संभावित नतीजों की टेबल छपी थी, जिसमें भाजपा को 235 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया था। ओपिनियन और एक्जिट पोल सब गलत साबित हुए। विपक्षी गठबंधन श्इंडियाrj ने 204 सीटें जीत ली और भाजपा 240 सीट पर रह गई। उसके बाद हुए हरियाणा और जम्मू कश्मीर के चुनाव में तमाम सर्वे एजेंसियों और मीडिया समूहों ने सावधानी बरती। फिर भी सब गलत साबित हुए। लगभग सभी सर्वेक्षणों में कांग्रेस को जीतते हुए दिखाया गया था। लेकिन सारी अटकलों को गलत साबित करते हुए भाजपा तीसरी बार जीत गई। उसके बाद दो तरह की प्रतिक्रिया देखने को मिली। एक प्रतिक्रिया में कांग्रेस पर जोरदार हमला हुआ। राहुल गांधी के करीबी नेताओं पर टिकट बेचने और 10 तरह की गड़बड़ी के आरोप लगे। दूसरी

कैलाश गहलोत के इस्तीफे का झटका, बड़े संकट का संकेत

कैलाश गहलोत ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की सीएम आतिशी को इस्तीफा भेजा है। दिल्ली की सीएम आतिशी ने गहलोत का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। गहलोत ने अपने पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देते हुए एक लम्बा पत्र केजरीवाल को भेजा है।दिल्ली में विधानसभा चुनावों से पहले आम आदमी पार्टी को एक बड़ा झटका लगा। दिल्ली सरकार के प्रमुख मंत्री कैलाश गहलोत ने जिस तरह से चुनावी वादों को पूरा न करने जैसे ऐसे अनेक मुद्दों का जिक्र करते हुए अपने पद एवं प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है जो अरविंद केजरीवाल की छवि पर सीधी चोट करने वाले हैं। दिल्ली के विकास की बजाय 'आप' सरकार का सारा समय केंद्र सरकार से झगड़ा करने में बीतने की बात कहकर गहलोत ने आम आदमी पार्टी की एक बड़ी कमजोरी को उजागर किया है, जो 'आप' के लिये एक बड़ा राजनीतिक संकट का संकेत है। अरविंद केजरीवाल ने सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे के साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन शुरू करके इस पार्टी का गठन किया, लेकिन खुद एवं उसके अन्य बड़े नेता भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की यात्रा कर आये, अनेक मतभेदों, विवादों एवं केजरीवाल के अहंकार, गलत नीतियों के चलते पार्टी के कई दिग्गज नेता पार्टी से दूर होते चले गए, जिनमें किरण बेदी, कवि कुमार विश्वास, आशुतोष, आशीष खेतान, शांति भूषण, प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, शाजिया इल्मी और कपिल मिश्रा और अब कैलाश गहलोत जैसे नाम शामिल हैं। लगता है अब आम की झाडू ही नहीं, बल्कि आप के राजनीतिक मूल्य भी तार–तार हो गये हैं। आम आदमी पार्टी के बढ़ते संकट एवं गिरते राजनीतिक मूल्यों के कारण उसकी चुनौतियां खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है। कैलाश गहलोत ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की सीएम आतिशी को इस्तीफा भेजा है। दिल्ली की सीएम आतिशी ने गहलोत का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। गहलोत ने अपने पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देते हुए एक लम्बा पत्र केजरीवाल को भेजा है। उन्होंने इस्तीफे में यमुना की सफाई और शीशमहल निर्माण का मुद्दा उठाया है। गहलोत ने पत्र में आरोप लगाते हुए लिखा है कि जिस ईमानदार राजनीति के चलते वह आम आदमी पार्टी में आए थे, वैसा अब नहीं हो रहा है। उन्होंने पार्टी के संयोजक व पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास को शीशमहल करार देते हुए कई आरोप भी लगाए हैं। ऐतिहासिक भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से जन्मी इस पार्टी का यह हश्र एवं दूरगति राजनीतिक महत्वाकांक्षा का परिणाम है। आम आदमी पार्टी खुद को ईमानदारी के उच्चतम मानकों पर रखने का दावा भले ही करती रही हो, लेकिन उसने सत्ता का दुरुपयोग करते हुए राजनीतिक एवं नैतिक मूल्यों को ध्वस्त ही किया है। आप का उदय एक ताजी हवा का झोंका था लेकिन आज वह दूषित राजनीति का पर्याय बन गया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कैलाश गहलोत का इस्तीफा आम आदमी पार्टी के लिये उल्टी गिनती का द्योतक है, यह राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाने वाला है, क्योंकि गहलोत ने एक तो यह कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार यमुना को साफ नहीं कर सकी और स्थिति यह है कि वह पहले से अधिक गंदी हो गई है। इसके अलावा उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि 'आप' सरकार का सारा समय केंद्र सरकार से झगड़ा करने में बीतता है। भले ही 'आप' कैलाश गहलोत की इन बातों को यह कहकर खारिज कर सकती है कि वह भाजपा की भाषा बोल रहे हैं और यह भी कहा जा सकता है कि गहलोत पर ईडी–सीबीआइ आदि का दबाव था। निश्चित ही गहलोत के खिलाफ ईडी और इनकम टैक्स के कई मामले चल रहे थे। कैलाश गहलोत पर ईडी और इनकम टैक्स की कई रेड भी हो चुकी थी। वह जांच का सामना कर रहे थे। आप के इन बयानों में कुछ सच्चाई भी हो सकती है कि उनके पास इस्तीफा देने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। लेकिन बड़ा तथ्य है कि 'आप' दिल्ली की जनता के साथ न्याय नहीं कर सकी है, वह केंद्र सरकार से बात–बात में झगड़ा मोल लेने के लिए जानी जाती है। इससे इन्कार नहीं कि केंद्र सरकार भी आम आदमी पार्टी से उलझती हुई दिखती है, लेकिन दिल्ली सरकार की छवि ऐसी बन गई है कि वह केंद्र सरकार पर दोषारोपण करने का मौका ढूंढ़ती रहती है। दिल्ली और केंद्र सरकार के बीच हर मुद्दे पर खींचतान जारी रहने से सबसे अधिक नुकसान दिल्ली की जनता को हुआ है। दिल्ली की कई समस्याएं नहीं सुलझ पाने, दिल्ली का अपेक्षित विकास न हो पाने एवं अपने चुनावी वादों को पूरा न करने के कारणों के लिये 'आप' नेताओं ने हमेशा ही केन्द्र सरकार एवं भाजपा को दोषी ठहराया है।

गहलोत ने कहा कि पार्टी से जुड़ी उनकी यात्रा का उद्देश्य दिल्ली के लोगों की सेवा करना था, लेकिन अब उन्होंने महसूस किया कि पार्टी सिर्फ अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए लड़ रही है, जिससे दिल्लीवासियों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करने में मुश्किलें आ रही हैं। ऐसे में उनके सामने पार्टी से अलग होने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। 'आप' टकराव की राजनीति में व्यस्त रही, अच्छे गवर्नेंस और बेहतर राजनीति का दामन उसके हाथ से लगातार छूटता रहा। दिल्ली में पार्टी ने असंख्य मुद्दे उठाये लेकिन वह इन सबको आखरी मंजिल तक नहीं पहुंचा पायी। यह भविष्य ही बताएगा कि कैलाश गहलोत का त्यागपत्र आम आदमी पार्टी को राजनीतिक रूप से महंगा पड़ेगा या नहीं, लेकिन इसमें दो राय नहीं कि उन्होंने अपने इस्तीफे में जिस तरह 'आप' की गलत नीति एवं केजरीवाल की अति–महत्वाकांक्षाओं का जिक्र किया, वह अरविंद केजरीवाल के साथ–साथ पूरी आम आदमी पार्टी की साख को करारा आघात देने वाला है। यह एक तथ्य है कि आम आदमी पार्टी आज तक इस प्रश्न का कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सकी कि आखिर अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री रहते अपने सरकारी आवास की साज–सज्जा पर 45 करोड़ रुपये खर्च करने की क्या जरूरत थी? कैलाश गहलोत ने अपने पत्र में यह भी आरोप लगाया है कि 'आप' अपनी रीति–नीति से भटक गई है। केजरीवाल और उनके सहयोगी इससे सहमत नहीं होने वाले, लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि 'आप' की भ्रष्टाचार विरोधी राजनीतिक दल की छवि का बहुत अधिक क्षरण हुआ है। 'आप' ने नई तरह की एवं मूल्यों की राजनीति करने के जो तमाम दावे किए थे, वे दावे यदि खोखले नजर आने लगे हैं तो इसके लिए अरविंद केजरीवाल और उनके सहयोगी अन्य किसी को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते। एक बड़ा सवाल है कि 'आप' की इस दुर्दशा के चलते क्या वह दिल्ली पर अपनी मजबूत पकड़ को क्या कायम रख पायेगी? क्या दिल्ली में भाजपा या अन्य दलों के लिये अब सत्ता तक पहुंचने की संभावनाएं बढ़ गयी है? आप एवं उसकी सरकार के लिये अभी भी देर नहीं हुई है, जरूरत है कि वह जन मुद्दों के बीच प्राथमिकता तय करे। अनावश्यक टकराव से बचते हुए अपने एजेंडे को अमलीजामा पहनाये। जहां सत्ता में है, वहां अच्छा शासन दें और जहां विपक्ष में है, वहां ज्यादा रचनाशील और प्रतिरोधात्मक ताकत बने। एक बड़ा मुद्दा है कि वह नेतृत्व और सांगठनिक संरचना को लोकतांत्रिक तरीके से मजबूत बनाये। अभी तक पूरी पार्टी अरविन्द केजरीवाल–केंद्रित है, वह पार्टी भले बन गई हो पर उसकी सांगठनिक संरचना एक ऐसे एनजीओ जैसी है, जिसका एक सर्वशक्तिमान निदेशक है और पूरा संगठन उसके निर्देश और रहमोकरम पर चलता है। यही कारण है कि एक से बढ़कर एक कद्दावर के आप नेता पार्टी छोड़ते रहे हैं। अगर 'आप' को राजधानी दिल्ली के दायरे में या इस दायरे के बाहर अपनी सुसंगत राजनीति से लोगों को लंबे समय तक प्रभावित करना है तो कथनी और करनी में समानता दिखानी होगी। आप को अपना दोगलापन दूर करना होगा। 'आप' के जीवन में सत्य खोजने पर भी नहीं मिलता। दोहरे मापदण्ड अपनाने के कारण 'आप' की हर नीति, हर निर्णय एवं हर कथन समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा करता रहा है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करती, दिल्ली की जनता ने कई गुणा इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है। जो पानी की तरह गर्म होती–होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन हाती है।

कांग्रेस की वास्तविक मंशा जाहिर

एस. सुनील

भाजपा के पूर्व सांसद श्री किरीट सोमैया ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके यह आंकड़ा प्रस्तुत किया कि अगर इसी तरह चलता रहा तो सिर्फ 26 साल के बाद 2050 तक देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में हिंदू आबादी महज 54 फीसदी रह जाएगी। टाटा इंस्टीच्यूट ऑफ सोशल साइसेंज की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1961 की जनगणना के मुताबिक तब के बॉम्बे में हिंदू आबादी 88 फीसदी थी, जो 2011 की जनगणना में घट कर 66 फीसदी हो गई।

चाहे जिस कारण से या जिस नारे की वजह से हुआ हो लेकिन यह वास्तविकता है कि महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा का चुनाव हिंदू एकजुटता और देश की एकता व अखंडता के मुद्दे पर केंद्रित हो गया है। भाजपा विरोधी पार्टियों और कुछ सहयोगियों ने भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के दो नारों का इतनी बार जिक्र किया या इतनी तरह से व्याख्या कर दी कि आम लोगों के दिल दिमाग में यह बात बैठ गई कि अगर एक नहीं रहे तो आने वाले समय में मुश्किल होगी। उनको यह बात समझ में आई है कि देश की जनसंख्या संरचना बदल रही है, कई राज्यों में हिंदू पहले ही अल्पसंख्यक हो गए हैं, कई राज्यों में अल्पसंख्यक होने की ओर बढ़ रहे हैं, घुसपैठ की वजह से राज्यों में आदिवासी व दलित आबादी तेजी से घट रही है, व्यापक पैमाने पर धर्मांतरण हो रहा है और चुनाव का असली प्रश्न श्रोटी, बेटी और माटीrj का है। इस क्रम में कांग्रेस और जेएमएम जैसी धानधोर तुष्टिकरण करने वाली पार्टियों के साथ साथ श्री उद्धव ठाकरे की राजनीति भी एक्सपोज हो गई है।

कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खडगे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नारे श्बंटेंगे तो कटेंगेrj का विरोध करते हुए इतने भवावेश में आ गए कि उन्होंने कह दिया कि यह साधु की नहीं, बल्कि आतंकी की भाषा हो सकती है। उनका यह बयान इतना तल्ख और संदर्भ से बाहर का था कि मुख्यमंत्री को भी उसी अंदाज में प्रतिक्रिया देनी पड़ी। उन्होंने पूछा कि मल्लिकार्जुन खडगे बार बार कहते हैं कि जब वे छोटे थे तभी उनकी मां और बहन सहित परिवार के कुछ दूसरे सदस्यों को जला कर मार दिया गया था। लेकिन आज तक उन्होंने बताया नहीं कि किसने उनकी मां को जलाया था। यह बड़ा सवाल है, जिससे इतिहास के एक ऐसे अध्याय का खुलासा होता है, जो देश और समाज के माथे पर कलंक की तरह है? असल में हैदराबाद निजाम के सेना में शामिल रजाकारों ने उनकी मां और बहन को जला कर मार डाला था। खडगे के बेटे और कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियंका खडगे ने इशारों इशारों में एक बार इसका जिक्र किया था। असल में देश की आजादी तय होने के बाद हैदराबाद के निजाम ने भारत में शामिल होने से इनकार कर दिया था। उस समय रजाकारों ने वहां की हिंदू आबादी पर और खास कर दलितों पर बड़े अत्याचार किए थे। वे जोर जबरदस्ती दलितों को इस्लाम अपनाने के लिए बाध्य कर रहे थे। लेकिन खडगे की मां और परिवार के दूसरे सदस्य बहादुर थे, जिन्होंने मर जाना कबूल किया लेकिन इस्लाम नहीं अपनाया। क्या दलितों पर मुस्लिम अत्याचार का यह अध्याय आम लोगों के सामने नहीं आना चाहिए? लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति के चलते इतिहास के इस काले अध्याय को और खडगे के परिवार की महिलाओं के शौर्य की कहानियों को सामने नहीं आने दिया गया। अच्छा हुआ, जो खडगे ने श्री योगी आदित्यनाथ के नारे पर सवाल उठाया और उनके परिवार के इतिहास के बहाने एक भयावह सचाई देश के लोगों के सामने आई।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पांच अक्टूबर को महाराष्ट्र में एक नारा दिया श्एक रहेंगे तो सेफ रहेंगेrj। इसके बाद कई ऐसे तथ्य सामने आए, जिनसे पता चलता है कि एक नहीं रहना समूचे हिंदू समाज के लिए और व्यापक रूप से भारत की एकता व अखंडता के लिए कितना बड़ा खतरा बन सकता है। भाजपा के पूर्व सांसद श्री किरीट सोमैया ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके यह आंकड़ा प्रस्तुत किया कि अगर इसी तरह चलता रहा तो सिर्फ 26 साल के बाद 2050 तक देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में हिंदू आबादी महज 54 फीसदी रह जाएगी। टाटा इंस्टीच्यूट ऑफ सोशल साइसेंज की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1961 की जनगणना के मुताबिक तब के बॉम्बे में हिंदू आबादी 88 फीसदी थी, जो 2011 की जनगणना में घट कर 66 फीसदी हो गई। यानी 50 साल में हिंदू आबादी 20 फीसदी घट गई। उस समय मुस्लिम आबादी आठ फीसदी थी, जो बढ़ कर 21 फीसदी हो गई है। असल में मुंबई की जनसंख्या संरचना कई कारणों से बदल रही है। बिहार, उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में मुस्लिम आबादी का पलायन मुंबई की ओर हुआ है, जिनको वहां से मुस्लिम गैंगेस्टर्स और नेताओं की वजह से प्रश्रय मिला। इसके अलावा रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठिए भी बड़ी संख्या में मुंबई पहुंचे हैं। दूसरे राज्यों के मुसलमानों और घुसपैठियों के अलावा लव जिहाद का भी इसमें हाथ है। इस तरह बड़े व्यवस्थित तरीके से मुंबई की जनसंख्या संरचना को बदला जा रहा है।

परंतु हैदराबाद के निजाम के आधिपत्य वाला इलाका या मुंबई अपवाद नहीं हैं। वहां से बहुत दूर झारखंड के संथालपरगना प्रमंडल में भी यही कहानी दोहराई जा रही है। बांग्लादेशी घुसपैठियों से जुड़े एक मसले पर केंद्र सरकार ने पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया, जिसमें बताया गया है कि संथालपरगना की पूरी जनसंख्या संरचना बदल गई है। पहले वहां आदिवासियों की आबादी 44 फीसदी थी, जो अब घट कर 28 फीसदी रह गई है। यानी इसमें 16 फीसदी की कमी आई है। इसके मुकाबले संथालपरगना के छह जिलों में 20 से 40 फीसदी तक मुस्लिम आबादी बढ़ी है। पाकुड़ और साहिबगंज जिलों में यह प्रतिशत और ज्यादा है। पाकुड़ से कांग्रेस के विधायक आलमगीर आलम हैं, जो अभी जेल में बंद हैं। उनके निजी सचिव के नौकर के यहां से ईडी ने 25 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की थी। उस पूरे इलाके में सारा खेल बालू, पत्थर से लेकर मवेशी और इंसानों की तस्करी का चल रहा है, जिसके पीछे कांग्रेस और जेएमएम के लोग हैं। यह भी हैरान करने वाली बात केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में बताई है कि इसाइयों की संख्यों में छह हजार गुना तक बढ़ोतरी हुई है। एक तरफ आदिवासी आबादी का अपने मूल स्थान से पलायन हो रहा है और दूसरी ओर व्यापक पैमाने पर धर्मांतरण हो रहा है। भारत के सॉलिसीटर जनरल श्री तुषार मेहता ने संथालपरगना की स्थिति को श्अलार्मिंगrj यानी चिंताजनक बताया। पिछले अनेक बरसों से कांग्रेस और जेएमएम ने अपनी वोट बैंक की राजनीति के तहत घुसपैठियों को बसाया और धर्मांतरण होने दिया। इस इलाके में घुसपैठिए मुस्लिम आदिवासी लड़कियों से शादी कर रहे हैं

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज आपको ऑफिस में अपने आसपास के लोगों से थोड़ा संभलकर रहने की जरूरत है। वे आपका काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

वृष राशि–
आज कारोबार से जुड़े रुके हुए जरूरी काम पूरे होने की संभावना है। लोगों से कुछ नई बात सीखेंगे। जीवनसाथी की अपेक्षाएं पूरी होगी। आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपको किसी अजनबी लोगों पर भरोसा करने से बचना चाहिए।

मिथुन राशि–
आज आप किसी नए काम को करने की सोचेंगे। करियर के मामले में चीजें बेहतर होने के आसार हैं। आज सेहत के प्रति आपको थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है।

कर्क राशि–
आज कुछ ऐसे लोगों से मुलाकात होगी, जो आपके करियर के लिए मददगार रहेंगे। आप परिवार वालों की इच्छा पूरी करेंगे, जिसमें आपको सफलता मिलेगी।

सिंह राशि–
आज इनकम के नए सोर्स प्राप्त होंगे। आपको व्यापार में उम्मीद से कुछ कम ही लाभ होगा। कुछ मामलों में साथ काम करने वाले लोगों से सहयोग नहीं मिल पायेगा।

कन्या राशि–
आज आपको कोई अच्छी खबर मिलेगी। ऑफिस में कोई नया काम मिलेगा, जिसे आप पूरा करने में सफल रहेंगे। शाम को परिवार वालों के साथ मौज–मस्ती में समय बिताएंगे, जिससे पारिवारिक जीवन खुशहाल बनेगा।

तुला राशि–
आज किसी काम के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। समाज में आपका मान–सम्मान बढ़ेगा। परिवार में किसी रिश्तेदार के आगमन से घर में खुशी का माहौल बनेगा।

वृश्चिक राशि–
आज जीवनसाथी के साथ समय बितायेंगे। कार्यक्षेत्र में लोगों से पूरा–पूरा सहयोग प्राप्त होगा। आज इनकम के नए रास्ते खुलेंगे। बच्चे माता–पिता के साथ मंदिर जाएंगे।

धनु राशि–
आज आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। खासतौर पर साइंस से जुड़े छात्रों के लिए फायदेमंद रहेगा। माता–पिता के साथ रिश्ता बेहतर होंगे।

मकर राशि–
आज आय के नए स्रोत सामने आयेंगे। ऑफिस में किसी बड़े अधिकारी का सहयोग प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता आयेगी। सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स के लिए दिन बेहतरीन रहने वाला है।

कुंभ राशि–
आज दोस्त आपसे किसी काम के लिए मदद मांग सकते हैं। परिवार में आपके गुणों की प्रशंसा होगी। किसी नयी तकनीक के द्वारा आपके व्यापार में वृद्धि होने की संभावना है।

मीन राशि–
आज किसी जरूरी काम में आपको भाई–बहन का सपोर्ट मिलेगा। अपने परिवार वालों के साथ आप कुछ बेहतरीन पलों का आनंद उठायेंगे। आज आप खुद को उर्जावान महसूस करेंगे। करियर में तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे। हर जगह आपकी प्रसंशा होगी। बिजनेस के लिहाज से की गई यात्राएं आपके लिए लाभकारी होगी। आज आपकी रचनात्मक प्रतिभा खुलकर सामने आयेगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर रहेगी।

इमरान खान की पार्टी के प्रदर्शन के मद्देनजर इस्लामाबाद में दो महीने तक निषेधाज्ञा लागू

इस्लामाबाद । जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी की प्रदर्शन की योजना के मद्देनजर राजधानी और आसपास के क्षेत्र में पांच या इससे अधिक लोगों के जमा होने एवं सभी तरह की सभाओं पर दो महीने के लिए रोक लगा दी है। संघीय सरकार ने इसके बाद इस्लामाबाद में धारा 144 लगा दी। इस्लामाबाद । पाकिस्तान के संघीय अधिकारियों ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी की प्रदर्शन की योजना के मद्देनजर राजधानी और आसपास के क्षेत्र में पांच या इससे अधिक लोगों के जमा होने एवं सभी तरह की सभाओं पर दो महीने के लिए रोक लगा दी है। पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि एक साल से अधिक समय से जेल में बंद उसके संस्थापक इमरान खान को रिहा करने पर सरकार को बाध्य करने के लिए 24 नवंबर को इस्लामाबाद में प्रदर्शन किया जाएगा। संघीय सरकार ने इसके बाद इस्लामाबाद में धारा 144 लगा दी जिसके तहत लोगों के जमा होने पर पाबंदी है। इस्लामाबाद के जिला मजिस्ट्रेट उस्मान अशरफ के कार्यालय द्वारा सोमवार को जारी विभिन्न अधिसूचनाओं के अनुसार धारा 144 लागू कर दी गई है क्योंकि समाज के कुछ तत्व गैरकानूनी तरीके से जमा होने की

योजना बना रहे हैं जिससे सार्वजनिक शांति बाधित हो सकती है। अधिसूचना के तहत पांच या अधिक लोगों के सार्वजनिक समारोहों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, क्योंकि वे 'सार्वजनिक शांति और सौहार्द को खतरे में डाल सकते हैं, मानव जीवन और सुरक्षा को खतरे में डाल सकते हैं, सार्वजनिक संपत्ति के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं और ... इस्लामाबाद जिले की राजस्वक्षेत्रीय सीमाओं के भीतर सांप्रदायिक दंगे सहित दंगा या मारपीट का कारण बन सकते हैं।

ईरान में जेल में बंद नोबेल विजेता Narges Mohammadi की सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ीं

जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी एक जटिल सर्जरी से गुजरीं, जिसके तहत उनके दाएं पैर की एक हड्डी का कुछ हिस्सा कैंसर की आशंका के चलते हटा दिया गया। हालांकि, अधिकार समूहों के मुताबिक, नरगिस को सर्जरी के महज दो दिन बाद वापस जेल भेज दिया गया। दुबई । ईरान में जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी एक जटिल सर्जरी से गुजरीं, जिसके तहत उनके दाएं पैर की एक हड्डी का कुछ हिस्सा कैंसर की आशंका के चलते हटा दिया गया। हालांकि, अधिकार समूहों के मुताबिक, नरगिस को सर्जरी के महज दो दिन बाद वापस जेल भेज दिया गया, जिससे उनकी सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) को भेजे गए 40 से अधिक अधिकार समूहों के हस्ताक्षर वाले एक पत्र में नरगिस को उन आरोपों में सुनाई गई जेल की सजा से तत्काल चिकित्सकीय फर्लो पर रिहा

करने का आग्रह किया गया है, जिनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लंबे समय से आलोचना हो रही है। इस पत्र को ईरान पर नरगिस की रिहाई का दबाव बढ़ाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। नोबेल समिति के नरगिस को पिछले साल शांति पुरस्कार से सम्मानित किए जाने के बाद से ही ईरान पर उनकी रिहाई का दबाव बनाने का अभियान चलाया जा रहा है सोमवार को भेजे गए पत्र में कहा गया है, "हम ईरानी अधिकारियों से मानवाधिकारों का अपराधीकरण रोकने और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों एवं लेखकों की सेहत ठीक न होने पर उन्हें जेल में कैद करने से बचने का आग्रह करते हैं।" संयुक्त राष्ट्र में ईरान के दूतावास ने इस पत्र पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वहीं, अतीत में नरगिस की रिहाई के लिए चलाए गए अभियान को तवज्जो न देने वाले ईरान के सरकारी मीडिया ने भी पत्र पर कोई खबर नहीं प्रकाशित की है। नरगिस (52) राज्य विरोधी तत्वों के साथ मिलीभगत और ईरान सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार के आरोप में कुल 13 साल और नौ महीने की जेल की सजा काट रही हैं। कई बार गिरफ्तार किए जाने और सलाखों के पीछे लंबी अवधि गुजारने के बावजूद उन्होंने अपना अभियान जारी रखा है। पत्र के मुताबिक, जेल में रहने के दौरान नरगिस को कई बार दिल का दौरा पड़ा और 2022 में उनकी आपात सर्जरी की गई थी। नवंबर की शुरुआत में नरगिस के वकील ने बताया कि डॉक्टरों ने उनके दाएं पैर की एक हड्डी में घाव की पुष्टि की है, जिसके बारे में उन्हें आशंका है कि यह कैंसर हो सकता है। इसके बाद बृहस्पतिवार को उनकी सर्जरी की गई। पत्र में कहा गया है, "नरगिस को चिकित्सकीय सलाह के विरुद्ध सर्जरी के महज दो दिन बाद वापस जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। नरगिस को चिकित्सा फर्लो पर रिहा करने और उनकी सजा निलंबित करने के उनके विधि टीम के आग्रह को भी नजरअंदाज कर दिया गया।" इसमें कहा गया है, "वर्षों की कैद और महीनों के एकांत कारावास ने नरगिस के स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जिससे उन्हें कई ऐसी स्वास्थ्य जटिलताओं का सामना करना पड़ रहा है, जिन्हें अस्पताल में बिताई गई छोटी अवधि में संबोधित नहीं किया जा सकता।

भारत चीन के बीच फिर से शुरू होंगी डायरेक्ट फ्लाइट? संबंधों को सुधारने की कोशिश में जुटे दोनों देश

चीन के विदेश मंत्रालय के अनुसार, वांग ने कहा कि हमें जितनी जल्दी हो सके सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने, पत्रकारों को भेजने और वीजा की सुविधा पर ठोस प्रगति करने का प्रयास करना चाहिए। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने सीमा विवादों पर लंबे समय तक गतिरोध के बाद संबंधों में नरमी का संकेत देते हुए सीधी उड़ानें बहाल करने और भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया है। वांग ने जी20 शिखर सम्मेलन से इतर रियो डी जनेरियो में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बैठक के दौरान ये टिप्पणी की। चीन के विदेश मंत्रालय के अनुसार, वांग ने कहा कि हमें जितनी जल्दी हो सके सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने, पत्रकारों को भेजने और वीजा की सुविधा पर ठोस प्रगति करने का प्रयास करना चाहिए।यह चर्चा दोनों देशों के बीच संबंधों में बदलाव का प्रतीक है। हिमालय में 2020 की सीमा झड़पों के बाद से तनावपूर्ण हो गया था। झड़पों में दोनों पक्षों के लोग हताहत हुए, परिणामस्वरूप सैन्य जमावड़ा हुआ, सीधी उड़ानें निलंबित हो गईं और वीजा प्रक्रिया में देरी हुई। अक्टूबर में एक सफलता के बाद संबंधों में सुधार होना शुरू हुआ, जब चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग

और भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी दो साल में पहली बार मिले, और तनाव कम करने पर सहमति व्यक्त की। सहयोग की संभावना पर प्रकाश डालते हुए वांग ने करते हुए कहा कि चीन और भारत के साझा हित उनके मतभेदों से कहीं अधिक हैं। दोनों पक्षों को एक–दूसरे के विकास को एक अवसर के रूप में देखना चाहिए। उड़ानों की बहाली और आसान वीजा प्रक्रिया दोनों एशियाई पड़ोसियों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाएगी, जो कलह पर विकास को प्राथमिकता देने के प्रयासों को रेखांकित करेगी।

बैलिस्टिक मिसाइल दागी तो होगा परमाणु हमला, बाइडेन ने किया खेल तो पुतिन ने न्यूक्लियर वेपन रूल ही बदल डाले

रूस पर कोई भी बड़ा हवाई हमला परमाणु प्रतिक्रिया को जन्म दे सकता है। ऐसे में इस नीति पर हस्ताक्षर पुतिन की पश्चिमी देशों को पीछे हटने को मजबूर करने के लिए रूस के परमाणु शस्त्रागार का उपयोग करने के संकेत को दर्शाता है। रूस ने कहा इन मानदंडों को पूरा करने के लिए पारंपरिक मिसाइलों, ड्रोन या अन्य विमानों के साथ हमले पर विचार किया जा सकता है। रूस यूक्रेन के बीच 33 महीने से जंग जारी है। दोनों देशों के बीच के संघर्ष में अब तक हजारों लोगों की मौत हुई है। जबकि लाखों लोग जख्मी हुए हैं। रूस यूक्रेन जंग के बीच अमेरिका ने बड़ा फैसला ले लिया है। खबरों के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 19 जनवरी 2025 को पूरा होने वाले कार्यकाल से पहले ही यूक्रेन को रूस पर अटैक के लिए मिसाइल के इस्तेमाल की अनुमति दे दी। इस कदम के बाद अब रूस भी खुलकर मैदान में गया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अद्यतन परमाणु सिद्धांत को मंजूरी दे दी, जिसमें कहा गया कि अगर परमाणु शक्ति द्वारा समर्थित उस पर पारंपरिक मिसाइल हमला होता है तो रूस परमाणु हथियारों का उपयोग करने पर विचार कर सकता है। पुतिन ने परमाणु निवारक संबंधी नयी नीति का समर्थन 24 फरवरी, 2022 को यूक्रेन में सैनिकों को भेजने वाले हमले के 1,000वें दिन पर किया है। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के उस फैसले के बाद सामने आया है, जिसमें उन्होंने यूक्रेन को अमेरिका द्वारा आपूर्ति की गई लंबी दूरी की मिसाइलों से रूस के अंदर लक्ष्यों पर हमला करने की अनुमति दी थी। रूस पर कोई भी बड़ा हवाई हमला परमाणु प्रतिक्रिया को जन्म दे सकता है। ऐसे में इस नीति पर हस्ताक्षर पुतिन की पश्चिमी देशों को पीछे हटने को मजबूर करने के लिए रूस के परमाणु शस्त्रागार का उपयोग

करने के संकेत को दर्शाता है। रूस ने कहा इन मानदंडों को पूरा करने के लिए पारंपरिक मिसाइलों, ड्रोन या अन्य विमानों के साथ हमले पर विचार किया जा सकता है। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को रूस पर हमला करने के लिए अमेरिका द्वारा दी गयी लंबी दूरी की मिसाइलों के इस्तेमाल को पहली बार अनुमति दी। मामले से वाकिफ लोगों ने यह जानकारी दी। बाइडेन द्वारा लिया गया यह निर्णय अमेरिका की नीति में एक बड़ा बदलाव है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब मौजूदा राष्ट्रपति बाइडेन का कार्यकाल खत्म होने वाला है और राष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप पहले ही यूक्रेन को दिये जाने वाले अमेरिकी समर्थन को सीमित करने तथा युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करने की बात कह चुके हैं। यूक्रेन पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हमले के फैसले के समर्थन में उत्तर कोरिया ने हजारों सैनिकों को रूस भेजने का फैसला किया है, जिसके जवाब में संभवतरू इन मिसाइलों का इस्तेमाल का निर्णय लिया गया है।

ट्रंप मोदी–मोदी करते नहीं थक रहे, इधर पुतिन ने किया अक्टूबर में दिया न्यौता स्वीकार, भारत दौरे पर आ रहे

पिछले महीने की शुरुआत में जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कजान में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर पुतिन के साथ बैठक की, तो उन्होंने राष्ट्रपति को 23वें भारत–रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए अगले साल भारत आने का निमंत्रण दिया। क्रेमलिन के प्रेस सचिव दिमित्री पेसकोव ने जानकारी देते हुए बताया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन निकट भविष्य में भारत का दौरा करने के लिए तैयार हैं। हालांकि सटीक तारीखों को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। यह घोषणा दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को मजबूत करने की

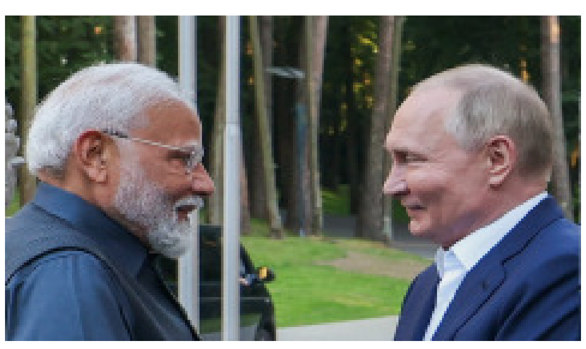

दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का संकेत देती है। पिछले महीने की शुरुआत में जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कजान में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर पुतिन के साथ बैठक की, तो उन्होंने राष्ट्रपति को 23वें भारत–रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए अगले साल भारत आने का निमंत्रण दिया। 2022 में रूस–यूक्रेन युद्ध छिड़ने के बाद पुतिन की यह पहली भारत यात्रा होगी। आखिरी बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 6 दिसंबर, 2021 को भारत का दौरा किया था। उन्होंने प्रधान मंत्री के साथ 21वें भारत–रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली की यात्रा की। अगर पुतिन 2024 में भारत आने का फैसला करते हैं, तो इसमें प्रधान मंत्री मोदी के साथ उनकी तीसरी द्विपक्षीय बातचीत शामिल होगी। पेसकोव ने पुतिन की आगामी भारत यात्रा पर कहा कि मुझे उम्मीद है कि जल्द ही हम उनकी यात्रा की सटीक तारीखों पर काम करेंगे. बेशक, प्रधानमंत्री मोदी की दो रूस यात्राओं के बाद, अब हमारे पास राष्ट्रपति की भारत यात्रा है, इसलिए हम इसका इंतजार कर रहे हैं। ,

इस साल की शुरुआत में मोदी ने दो अलग–अलग मौकों पर रूस का दौरा किया और भारत और रूस के द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करने के लिए पुतिन से मुलाकात की।

की इस तस्वीर ने सभी को चौंकाया, प्रधानमंत्री की गाड़ी चलाने वाली ये महिला कौन है?

सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि ये कौन है? बहुत सारे लोग ये भी कह रहे हैं कि इस दमदार फीमेल एजेंट को लोग काफी सराह रहे हैं। सुरक्षाकर्मयों से घिरे पीएम मोदी आगे अपनी गाड़ी की तरफ बढ़ते हैं। वहां पर फीमेल एजेंट उनका इंतजार कर रही होती हैं। फीमेल एजेंट अपने हाथों से उनके लिए दरवाजा खोल कर वहां खड़ी रहती हैं। पीएम मोदी गाड़ी में बैठते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राजील में हो रहे जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रियो डे जिनोरो पहुंचे। आपको बता दें कि उस दौरान एयरपोर्ट पर उनका जबरदस्त स्वागत हुआ। लेकिन यहां कि एक तस्वीर काफी तेजी से वायरल हो रही है। जब पीएम मोदी यहां पर पहुंचे तो उनका पूरे सम्मान के साथ स्वागत किया गया। इसी के साथ वो वहां पर मौजूद तमाम लोगों से मिलकर अपनी गाड़ी की तरफ बढ़ते हैं। तभी एक महिला की तस्वीर तेजी से वायरल होती है। सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि ये कौन है? बहुत सारे लोग ये भी कह रहे हैं कि इस दमदार फीमेल एजेंट को लोग काफी सराह रहे हैं। सुरक्षाकर्मयों से घिरे पीएम मोदी आगे अपनी गाड़ी की तरफ

बढ़ते हैं। वहां पर फीमेल एजेंट उनका इंतजार कर रही होती हैं। फीमेल एजेंट अपने हाथों से उनके लिए दरवाजा खोल कर वहां खड़ी रहती हैं। पीएम मोदी गाड़ी में बैठते हैं। फिर एजेंट बहुत सावधानी के साथ दरवाजे को बंद करती है। उसके बाद वो खुद गाड़ी की कमान संभाल लेती है। फिर पीएम मोदी का काफिला आगे चला जाता है। वहां पर मौजूद तमाम सुरक्षा में लगे लोग खड़े रहते हैं। लेकिन ये छोटी सी तस्वीर तेजी से वायरल होने लगी और इस महिला सुरक्षाकर्मी के अंदाज की खूप तारीफ हो रही है। ब्राजील में भारतीय मूल के लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी के यहां पहुंचने पर मंत्रोच्चार के साथ उनका स्वागत किया। ब्राजील में उनके स्वागत के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया ब्राजील में भारतीय संस्कृति का उत्सव। रियो डी जेनेरियो में इस स्मरणीय स्वागत के लिए आभार। उन्होंने लिखा कि रियो डी जेनेरियो पहुंचने पर भारतीय समुदाय द्वारा गर्मजोशी और उत्साह के साथ किये गये स्वागत से मैं बेहद अभिभूत हूं। उनकी ऊर्जा उस स्नेह को दर्शाती है जो महाद्वीपों के पार भी हमें आपस में बांधकर रखता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वैश्विक संघर्षों के कारण खाद्य, ईंधन और उर्वरक संकट से ग्लोबल साउथ के देश सबसे अधिक प्रभावित हैं और जी–20 को इसे दूर करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जी–20 शिखर सम्मेलन के एक सत्र को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत में पिछले साल आयोजित जी–20 का विषय एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य'' इस शिखर सम्मेलन में भी उतना ही प्रासंगिक है जितना कि पिछले वर्ष था। उन्होंने कहा कि मैं यह कहना चाहूंगा कि वैश्विक संघर्षों के कारण खाद्य,

भारतीयों को उठा कर भाग रहा था पाकिस्तानी जहाज, सेना ने उतारे कमांडो, 2 घंटे तक चला चूहा–बिल्ली का खेल

दो घंटे तक चूहा बिल्ली की तरह समुद्र में रेस चलती रही। इसके बाद पाकिस्तानी जहाज को कहा गया कि भारतीय मछुआरों को छोड़ दिया जाए। आखिरकार धमकी और समझाइस काम आई। पाकिस्तानी जहाज ने नाव और मछुआरों को छोड़ा। भारतीय तटरक्षक बलों ने एक बड़ा एक्शन किया है। खबर है कि इंडियन कोस्ट गार्ड के जहाज ने 17 नवंबर को सात भारतीय मछुआरों को बचा लिया। पाकिस्तानी मेरीटाइम सिक्योरिटी एजेंसी का जहाज पीएमएस नुसरत इन मछुआरों को जबरदस्ती गिरफ्तार करके अपनी सीमा पर ले जा रहा था। यानी भारत और पाकिस्तान सीमा के पास से इन मछुआरों को पकड़ रहा था। 17 नवंबर 2024 की दोपहर साढेध तीन बजे भारतीय तटरक्षक बल के जहाज आईसीजी अग्रिम के पास एक इमरजेंसी कॉल आया।

ये एक डिस्ट्रेस कॉल थी यानी मदद के लिए बुलावा। ये कॉल भारतीय फिशिंग बोर्ट काल भैरव से आई थी। जो नो फिशिंग जोन के पास मछली पकड़ रहा था। इसी पाकिस्तानी जहाज ने इंटरसेप्ट कर रोक लिया। उसके बाद उस पर मौजूद सात मछुआरों को पकड़कर वे पाकिस्तान ले जाने का प्लान कर रहे थे। लेकिन आईसीजी की अग्रिम ने फुल स्पीड में जाकर पाकिस्तानी जहाज नुसरत को रोका।दो घंटे तक चूहा बिल्ली की तरह समुद्र में रेस चलती रही। इसके बाद पाकिस्तानी जहाज को कहा गया कि भारतीय मछुआरों को छोड़ दिया जाए। आखिरकार धमकी और समझाइस काम आई। पाकिस्तानी जहाज ने नाव और मछुआरों को छोड़ा। लेकिन काल भैरव नाव टूट गई और समुद्र में ही डूब गई। इसके बाद आईसीजी अग्रिम जहाज मछुआरों को लेकर गुजरात के ओखा बंदरगाह पर 18 नवंबर को वापस आई है। अब खुफिया एजेंसियां, राज्य की पुलिस मछुआरों से पूछताछ कर रही हैं। साथ ही ये रिपोर्ट भी तैयार की जा रही है कि ये टकराव समुद्र में हुआ कैसे। लेकिन जिस तरह से भारतीय तट रक्षक बलों ने पाकिस्तान के आगे अपना एक्शन दिखाया। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि तटरक्षक बल को रविवार दोपहर को मछली पकड़ने के लिए निषिद्ध क्षेत्र (एनएफजेड) के पास काम कर रही एक भारतीय मछली पकड़ने वाली नाव से संकटकालीन संकेत प्राप्त हुआ, जिसके बाद बचाव अभियान के लिए एक जहाज भेजा गया। इसमें कहा गया कि आईसीजी जहाज ने पीएमएसए जहाज को रोका और उन्हें भारतीय मछुआरों को छोड़ने के लिए राजी किया। आईसीजी जहाज सात मछुआरों को सुरक्षित वापस लाने में सफल रहा, जिनकी चिकित्सा स्थिति स्थिर पाई गई। तटीय सुरक्षा एजेंसी ने बताया कि हालांकि, घटना के दौरान भारतीय मछली पकड़ने वाली नाव काल भैरव क्षतिग्रस्त हो गई और डूब गई।

चेहरे पर जबरदस्त मुस्कुराहट लिए पीएम मोदी से मिली इटली की प्रधानमंत्री, जमकर लगे ठहाके

बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने सांस्कृतिक और पब्लिक रिलेशन मजबूत करने के साथ साथ व्यापार निवेशक और प्रौद्योगिकी में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की है। बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट भी किया। जी 20 की बैठक में हिस्सा लेने के लिए इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राजील पहुंचे हैं। ब्राजील में जबरदस्त सम्मेलन का आगाज हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी का जोरदार स्वागत हुआ। ग्रुप फोटो भी हुई और ऐतिहासिक बैठक जिसका सभी को इंतजार था वो भी संपन्न हो गई। इसी बैठक के बाद द्विपक्षीय बैठकों का सिलसिला भी शुरू हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक के बाद एक बड़े देशों के साथ द्विपक्षीय बैठकों को पूरा किया। इसमें एक देश इटली भी था। इटली की प्रधानमंत्री जर्जिया मेलोनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ मिलाकर जोरदार स्वागत किया। बड़ी मुस्कुराहट के साथ दोनों ने एक दूसरे का अभिवादन भी स्वीकार किया। ब्राजील में हो रही जी20 बैठक से इतर आई तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। ये तस्वीर मोदी और मेलोनी के चाहने वालों को मेलोडी मूवमेंट दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्राजील के रियो डि जिनरो में जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान अपनी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय बैठक की है। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने सांस्कृतिक और पब्लिक रिलेशन मजबूत करने के साथ साथ व्यापार निवेशक और प्रौद्योगिकी में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की है। बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट भी किया। इस पोस्ट में उन्होंने बैठक की तस्वीरें शेयर करते

हुए लिखा कि रियो डी जेनेरियो जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मिलकर खुशी हुई। हमारी बातचीत रक्षा, सुरक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में संबंधों को गहरा करने पर केंद्रित रही।

भारत ने फिर दिया पाकिस्तान को बड़ा झटका, बीटी 20 से वापस लिया नाम

दरअसल, जहां भारत ने सुरक्षा कारणों से चौंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया है। वहीं अब भारत की दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम को पाकिस्तान भेजने की मंजूरी भी नहीं मिली है। भारत ने से हटने का फैसला किया है, जिसका आयोजन 23 नवंबर से 3 दिसंबर तक पाकिस्तान में होना है। भारत और पाकिस्तान में आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर अभी विवाद थम नहीं रहा है कि भारत ने पाकिस्तान को एक बार फिर उसकी औकात दिखा दी। दरअसल, जहां भारत ने सुरक्षा कारणों से चौंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया है। वहीं अब भारत की दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम को पाकिस्तान भेजने की मंजूरी भी नहीं मिली है। भारत ने दृष्टिबाधित टी20 वर्ल्ड कप 2024 से हटने का फैसला किया है, जिसका आयोजन 23 नवंबर से 3 दिसंबर तक पाकिस्तान में होना है। पाकिस्तान पहली बार ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी करेगा। इस टूर्नामेंट में पिछले तीन बार का चौंपियन भारत ही है। खेल मंत्रालय ने हाल ही में दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम को टी20 वर्ल्ड कप में भाग लेने के लिए पाकिस्तान का दौरा करने की मंजूरी दी थी लेकि विदेश मंत्रालय ने हरी झंडी नहीं दिखाई। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, इंडियन ब्लाइंट क्रिकेट एसोसिएशन यानी आईबीसीए के महाससिव शैलेंद्र यादव ने बताया कि विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं दी और टूर्नामेंट से हटने के लिए कहा। उन्होंने

आगे कहा कि, अभी तक सरकार से आधिकारिक अस्वीकृति पत्र नहीं मिला है और उन्हें मौखिक रूप से बताया गया है कि पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं है। शैलेंद्र यादव ने कहा कि हम पिछले 25 दिनों से पाकिस्तान जाने के लिए सरकार से अनुमति मिलने का इंतजार कर रहे थे। अब हम और इंतजार नहीं कर सकते क्योंकि टूर्नामेंट शुरू होने वाला है जब मैंने विदेश मंत्रालय से फोन पर बात की तो उन्होंने बताया कि हमें पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं मिलेगी। हमें बताया कि मंजूरी नहीं मिलने का आधिकारिक पत्र दिया जाएगा। हालांकि, अभी तक कोई भी पत्र नहीं मिला।

भारत में किस समय देख सकेंगे इंडिया वर्सेस आस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज ? जानें स्पअम से जुड़ी पूरी जानकारी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी का आगाज होने जा रहा है। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं इस बार इस सीरीज में 4 की बजाय पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप 2023–25 के तहत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी का आगाज होने जा रहा है। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं इस बार इस सीरीज में 4 की बजाय पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। वहीं भारत में आप कब और किस समय इसे देख सकते हैं इसकी पूरी जानकारी हम आपको देंगे। पर्थ में खेले जाने वाले पहले टेस्ट मैच का पहला सेशल भारतीय समय के अनुसार सुबह 7.50 पर शुरू होगा, इसका मतलब टॉस करीब आध ो घंटे पहले यानी 7 बजकर 20 मिनट पर होगा। जबकि इस मैच का आखिरी सेशन दोपहर 2 बजकर 50 मिनट तक चलेगा उसके बाद स्टंप्स हो जाएगा।

वहीं भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज की लाइव

स्ट्रीमिंग भारत में आप डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर देख पाएंगे। पहले टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के अलुावा शुभम गिल नहीं खेल पाएंगे। रोहित शर्मा हाल ही में दूसरे बच्चे के पिता बने हैं जिस कारण वो इस समय अपनी पत्नी रितिका के साथ बिताना चाहते हैं। वहीं दूसरे टेस्ट से पहले मोहम्मद शमी के भी टीम इंडिया से जुड़ने की उम्मीद है।

खराब फार्म से जूझ रही Shefali Verma आस्ट्रेलिया दौरे के लिये भारतीय वनडे टीम से बाहर

शीर्षक्रम की बल्लेबाज शेफाली वर्मा को दिसंबर में आस्ट्रेलिया में तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिये भारत की 16 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिली है । बीस वर्ष की शेफाली ने इस साल छह मैचों में सिर्फ 108 रन बनाये और उनका सर्वोच्च स्कोर 33 रन रहा है। नयी दिल्ली । खराब फॉर्म से जूझ रही शीर्षक्रम की बल्लेबाज शेफाली वर्मा को दिसंबर में आस्ट्रेलिया में तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिये भारत की 16 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिली है। बीस वर्ष की शेफाली ने इस साल छह मैचों में सिर्फ 108 रन बनाये और उनका सर्वोच्च स्कोर 33 रन रहा है। उन्हें पिछले साल दिसंबर में आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू वनडे श्रृंखला के दौरान बीच में ही बाहर कर दिया गया था लेकिन उन्होंने इस साल जून में बेंगलुरू में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वापसी की। शेफाली ने जुलाई 2022 में श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 71 रन बनाने के बाद से वनडे अर्धशतक नहीं लगाया है। पिछले महीने न्यूजीलैंड को अहमदाबाद में 2 . 1 से हराने वाली टीम में शामिल रही उमा छेत्री, डी हेमलता, श्रेयांका पाटिल और सायली सतघारे को भी टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं हरलीन देयोल, रिचा घोष, मिन्नू मनी , टिटास साधू और प्रिया पूनिया की वापसी हुई है। पहला वनडे ब्रिसबेन में पांच दिसंबर को और दूसरा आठ दिसंबर को खेला जायेगा जबकि तीसरा मैच पर्थ में 11 दिसंबर को होगा।

दिल्ली कैपिटल्स के बीच पैसा नहीं बना दूरी की वजह, विकेटकीपर ने खुद बताया

ऋषभ पंत ने खुद इसका जवाब दिया। उन्होंने ग पर साफ करते हुए लिखा कि मैं इतना कह सकता हूं कि मेरी रिटेंशन में पैसा का कोई रोल नहीं था। पंत ने सुनील गावस्कर की बात को गलत साबित कर दिया कि दिल्ली ने पैसे के कारण उन्हें रिटेन नहीं किया। इन दिनों भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चर्चा में है। आईपीएल 2025 के लिए होने वाले मेगा ऑक्शन में पंत उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिनपर सबकी नजरें होंगी। दिल्ली कैपिटल्स ने पंत को रिटेन नहीं किया और अब वह ऑक्शन में अपने नाम की बोली लगते हुए देखेंगे। वहीं उम्मीद जताई जा रही है

कि पंत पर करोड़ों की बारिश हो सकती है। हालांकि, पंत ने साफ किया है कि उनके ऑक्शन में आने की वजह पैसा नहीं है। बता दें कि, दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा कि भले ही दिल्ली ने पंत को रिटेन नहीं किया है लेकिन वह ऑक्शन में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए जरूर बोली लगाएंगे। गावस्कर ने इसी वीडियो में आगे कहा कि, कई बार फ्रेंचाइजी और खिलाड़ी के बीच पैसों को लेकर बातें होती है और दोनों एक फैसले पर नहीं आ पाते। आपने रिटेंशन में भी देखा होगा। हो सकता है ऐसा कुछ हुआ हो लेकिन दिल्ली पंत के लिए बोली जरुर लगाएगा। उन्हें एक कप्तान चाहिए। जिसके बाद ऋषभ पंत ने खुद इसका जवाब दिया। उन्होंने ग पर साफ करते हुए लिखा कि मैं इतना कह सकता हूं कि मेरी रिटेंशन में पैसा का कोई रोल नहीं था। पंत ने सुनील गावस्कर की बात को गलत साबित कर दिया कि दिल्ली ने पैसे के कारण उन्हें रिटेन नहीं किया। पंत ने रिटेंशन लिस्ट जारी होने से पहले भी एक्स पर पोस्ट किया था कि अगर वह ऑक्शन में जाते हैं वह कितने में बिकेंगे। उस समय किसी को ये नहीं मालूम था कि पंत रिटेन नहीं होंगे।

मैं उनकी जगह होता तो... माइकल क्लार्क ने रोहित शर्मा के पर्थ टेस्ट ना खेलने पर दी प्रतिक्रिया

कप्तान रोहित शर्मा के अभी भी पहला टेस्ट नहीं खेलने की संभावना है। दरअसल, वे दूसरी बार पिता बने हैं और वे अपनी बेटी समायरा और पत्नी रितिका सजदेह और नवजात बेटे के साथ मुंबई में हैं। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने रोहित शर्मा के फैसले का समर्थन किया है। टीम इंडिया पर्थ पहुंच चुकी हैं। वहीं कप्तान रोहित शर्मा के अभी भी पहला टेस्ट नहीं खेलने की संभावना है। दरअसल, वे दूसरी बार पिता बने हैं और वे अपनी बेटी समायरा और पत्नी रितिका सजदेह और नवजात बेटे के साथ मुंबई में हैं। वहीं रोहित शर्मा के पहले टेस्ट से हटने को लेकर तमाम तरह के रिएक्शन आ रहे हैं। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने रोहित शर्मा के फैसले का समर्थन किया है और कहा है कि टेस्ट मैच आते–जाते रहेंगे, लेकिन कुछ चीजें एक बार ही आपके जीवन में आती हैं। वहीं साल 2015 में ऑस्ट्रेलिया को वनडे वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि पिता बनने का अनुभव करना वर्ल्ड कप जीतने से भी ज्यादा खुशी देता है। उन्होंने ये बात अपनी निजी अनुभव के आधार पर कही। उन्होंने रेवस्पोर्ट्ज पर कहा कि, मेंरे जीवन का सबसे खुशी का दिन वह था जब मेरी बेटी का जन्म हुआ। टेस्ट मैच या जीत या यहां तक वर्ल्ड कप से भी ज्यादा,

आप इसे किसी और चीज से नहीं जोड़ सकते। परिवार पहले आता है, टेस्ट मैच फिर से होगा, लेकिन ये एक बहुत ही अलग पल है। क्लार्क ने ये भी माना कि पर्थ टेस्ट मैच में रोहित शर्मा की कमी एक बल्लेबाज और कप्तान के तौर पर खलेगी, लेकिन उन्होंने ये भी कहा कि अगर वे रोहित की जगह होते तो यही फैसला करते और अपने परिवार के सासथ रहते। उन्होंने कहा कि, बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच में रोहित शर्मा की कमी खलेगी। उनकी लीडरशिप की भी कमी खलेगी, लेकिन मैं आपको बता सकता हूं कि अगर मैं उनकी जगह होता तो मैं भी ठीक वैसा ही करता।

भारतीय टीम ने शेफाली वर्मा को टीम से किया बाहर, इस बल्लेबाज को किया शामिल

बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए महिला टीम का ऐलान कर दिया है। ये सीरीज वनडे चौंपियनशिप का हिस्सा है और भारत के लिए काफी अहम है। बीसीसीआई ने टीम में बड़ा बदलाव किया है। भारतीय पुरुष टीम के बाद महिला टीम भी जल्द ही ऑस्ट्रेलिया रवाना होने वाली है। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए महिला टीम का ऐलान कर दिया है। ये सीरीज वनडे चौंपियनशिप का हिस्सा है और भारत के लिए काफी अहम है। बीसीसीआई ने टीम में बड़ा बदलाव किया है। वहीं पुरुष टीम के बाद अब महिला टीम भी जल्द ही ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए महिला टीम का ऐलान कर दिया

है। ये सीरीज वनडे चौंपियनशिप का हिस्सा है और भारत के लिए काफी अहम है। बीसीसीआई ने टीम में बड़ा बदलाव किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद युवा सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को टीम ससे बाहर कर दिया गया है। शेफाली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन पारियों में केवल 56 रन ही बनाए थे। ऐसे में टीम ने उन्हें ड्रॉप करने का फैसला किया है। शेफाली की जगह प्रिया पुनिया या फिर यस्तिका भटिया को स्मृति मंधाना के साथ ओपनिंग करने का मौका मिल सकता है। भारतीय टीम हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंध ाना, प्रिया पुनिया, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देयोल, यास्तिका भाटिया, ऋचा घोष, तेजल हसब्रिस, दीप्ति शर्मा, मिन्नू मणि, प्रिया मिश्रा, राधा यादव, तितास साधु, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, साइमा ठाकुर। भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया शेड्यूल 5 दिसंबर2024– सुबह 9.30 बजे, पहला वनडे, ब्रिस्बेन 8 दिसंबर 2024– सुबह 9.30 बजे, दूसरा वनडे, ब्रिस्बेन 11 दिसंबर 2024– सुबह–9.50 बजे, तीसरा वनडे, पर्थ

इस तरह से आपके सिर में भी होता है दर्द तो है ये क्लस्टर हेडेक के लक्षण, जानिए क्या है

क्या सिर दर्द होना नॉर्मल है, अक्सर आप हर दूसरे इंसान से सुनेंगे कि सिर दर्द हो रहा है, कभी–कभी ज्यादा सोने से भी सिर में दर्द होने लगता है, ज्यादा लेट तक सोने से भी सिर दर्द होने लगता है. हालांकि सिर दर्द भी कई तरह के होते हैं. सिर दर्द के भी कई टाइप होते हैं, आपने माइग्रेन तो सुना होगा क्या आपने क्लस्टर हेडेक के बारे में सुना है, क्लस्टर हेडेक सिर दर्द माइग्रेन से बिल्कुल अलग होता है. लेकिन कुछ लोग इसे भी माइग्रेन ही समझ लेते हैं. ऐसे चलिए जानते हैं कि दोनों में क्या अंतर है.

एक काफी रेयर कंडिशन है

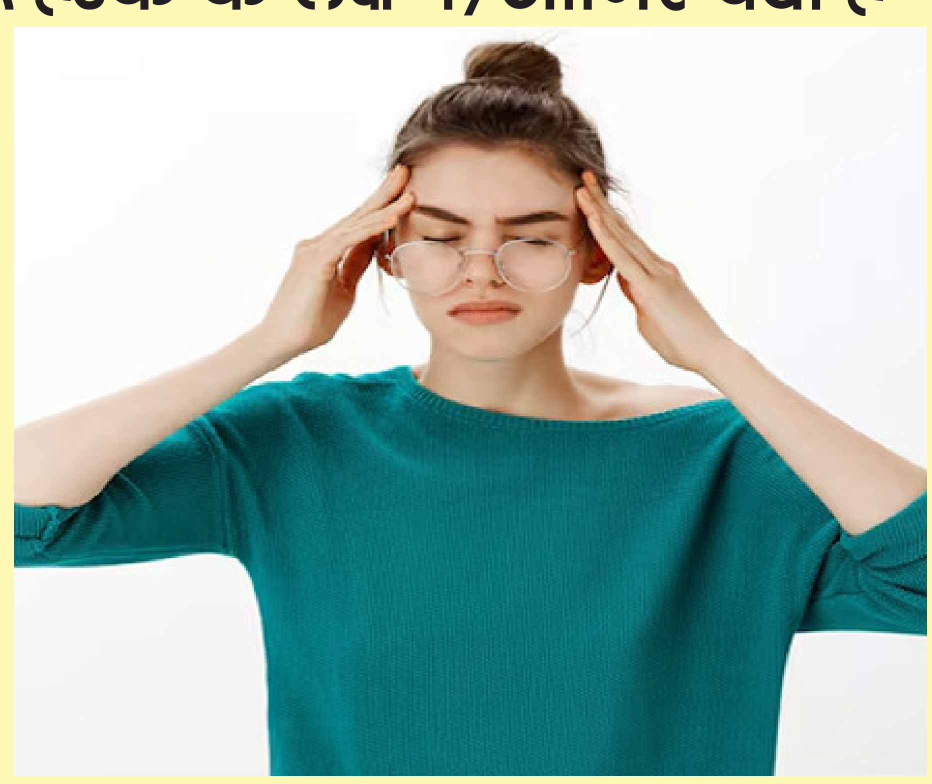

क्लस्टर हेडेक को हिस्टामिन भी कहा जाता है और इसका दर्द दिन भर में कई बार हो सकता है. एक्सपर्ट की माने तो क्लस्टर हेडेक एक दुर्लभ स्थिति है और बहुत कम लोगों को ये होता है. इसमें सिर दर्द का पैटर्न होता है. क्लस्टर हेडेक में दर्द सिर के एक तरफ से एक आंख में या उसके आसपास होता है. ये सिर दर्द कई हफ्तों से लेकर कई महीने तक चलते हैं, फिर दर्द कुछ समय के लिए बंद हो जाता है. लेकिन यह कई महीनों या सालों तक रह सकता है. यही वजह है कि इसे क्लस्टर हेडेक कहा जाता है.क्लस्टर हेडक एक रेयर टाइम पर होता है. लेकिन इसमें जो सिर दर्द होता है वो माइग्रेन की तुलना में बहुत तेज होता है. इस तरह का सिर दर्द पुरषों में ज्यादा आम माना जाता है. यह 30 से 40 साल की उम्र में देखने को मिलता है. क्लस्टर हेडेक में होने वाला दर्द इतना तेज हो जाता है कि मरीज का रिएक्शन काफी दर्दनाक होता है. ये दर्द से 30 से 40 साल की उम्र में देखने को मिलता है. इसके क्लस्टर दर्द के कुछ लक्षण है.दर्द के लक्षण ' माथे, ललाट, कनपटी के आसपास या आंख के ऊपर दर्द होना.

पानी पीने के बाद भी लगी रहती है प्यास ? कहीं ये किसी गंभीर बीमारी का संकेत तो नहीं

क्या पानी पीने के बावजूद आपकी प्यास नहीं बुझ रही, बार–बार प्यास लगी रहती है, हाइड्रेशन महसूस होता रहता है. अगर ऐसा है, तो ये सामान्य नहीं बल्कि किसी गंभीर बीमारी के संकेत हो सकते हैं. हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है, प्यास लगना सामान्य होता है, लेकिन अगर यह समस्या लगातार बनी रहती है, तो ये शरीर में कुछ गड़बड़ होने का संकेत हो सकता है. आइए जानते हैं कि पानी पीने के बाद भी प्यास लगने से किन–किन बीमारियों का खतरा होता है...

पानी पीने के बाद बार–बार क्यों लगती है प्यास

1. पॉलीडिप्सिया

पानी हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है. प्यास लगना एक नॉर्मल प्रक्रिया है लेकिन अगर बार–बार प्यास लग रही है तो ये पॉलीडिप्सिया (क्कशद्य4स्रद्बश्चह्यद्बड्ड) की कंडीशन हो सकता है. पॉलीडिप्सिया में प्यास कई दिनों, हफ्घ्तों या महीनों तक काफी ज्यादा बनी रह सकती है. इसमें पानी पीने के बावजूद प्यास

बुझती नहीं है.

2. डायबिटीज इन्सिपिडस

डायबिटीज इन्सिपिडस की समस्या में भी प्यास बार–बार लगती रहती है. पानी पीने के बावजूद प्यास महसूस होती रहती है. इस बीमारी में किडनी और इससे जुड़ी ग्रंथियों के साथ ही हार्मोन भी प्रभावित होते है. इसकी वजह से यूरीन ज्यादा निकल सकता है. जिसकी वजह से बार–बार प्यास लग सकती है.3. हाइपोकैलिमिया

जब खून में पोटैशियम की मात्रा सामान्य से कम हो जाती है तो हाइपोकैलिमिया की कंडीशन होती है. इसके मरीजों को बार–बार और ज्यादा प्यास लगती है. उल्टी–दस्त, कुछ दवाओं को खाने से पोटैशियम का लेवल प्रभावित हो सकता है. अगर ये समस्या लंबे समय तक बनी रहती है तो ज्यादा प्यास लग सकती है.

शरीर के इन संकेतों को न करें इग्नोर

प्यास लगने का मतलब शरीर बताता है कि उसमें लिक्विड की कमी हो गई है. सामान्य परिस्थितियों में पानी पीने के बाद प्यास दूर हो जाती है. अगर पानी पीने के बाद भी प्यास महसूस हो रही है तो गंभीर समस्याओं का संकेत है. इसे लेकर तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए. सामान्य तौर पर एक दिन में तीन–चार लीटर पानी तो पीना ही चाहिए. बहुत ज्यादा पानी पीना भी हानिकारक हो सकता है.

पुष्पा ना रुकेगा ना झुकेगा, पुष्पा 2 ट्रेलर को मिले सबसे तेज 100 मिलियन व्यूज, इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में रचा इतिहास

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 का ट्रेलर 17 नवंबर को रिलीज हुआ. 24 घंटे से पहले इस ट्रेलर ने व्यूजे के मामले में इतिहास रच दिया है. ट्रेलर ने लॉन्च होने के 24 घंटे के भीतर ही 100 मिलियन व्यूज हासिल कर लिए हैं. ऐसा करने वाला पुष्पा 2 का ट्रेलर भारतीय सिनेमा का सबसे तेज 100 मिलियन व्यूज क्रॉस करने वाला ट्रेलर बन गया है.

पुष्पा 2 ट्रेलर ने इतिहास रचते हुए भारतीय सिनेमा के सबसे तेज 100 मिलियन व्यूज का माइलस्टोन पार कर लिया है. इसी के साथ ये ट्रेलर भारतीय सिनेमा का सबसे तेज 100 मिलियन व्यूज पाने वाला ट्रेलर बन गया है. तेलुगु और हिंदी में ट्रेलर के 40 मिलियन से ज्यादा व्यूज वहीं तमिल में 4 मिलियन से ज्यादा और मलयालम में 1. 5 मिलियन से ज्यादा व्यूज ट्रेलर को मिल चुके हैं. वहीं बंगाली में इसके व्यूज 500 हजार से ज्यादा हो चुके हैं.पुष्पा 2 के ट्रेलर को रिलीज हुए अभी 24 घंटे भी नहीं हुए हैं और पहले ही इसने कई बड़ी फिल्मों के रिकॉर्ड्स तोड़ दिए हैं. 24 घंटे के अंदर इतने व्यूज पाने वाले पुष्पा 2 के ट्रेलर ने आरआरआर, सालार, पुष्पा द राइज, केजीएफ चौप्टर 2 जैसी फिल्मों के ट्रेलर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है. मेकर्स ने 100 मिलियन. व्यूज की खुश जाहिर करते हुए एक पोस्टर शेयर किया जिसके साथ कैप्शन लिखा, पुष्पा झुकेगा नहीं और रिकॉर्ड पे रिकॉर्ड बनाना रुकेगा नहीं. रिकॉर्ड ब्रेकिंग पुष्पा 2 ट्रेलर भारतीय सिनेमा का सबसे तेज 100मिलियन. व्यूज पाने वाला ट्रेलर बन गया है.अब तक सालार और केजीएफ चौप्टर 2 ने 24 घंटे में 100 मिलियन व्यूज क्रॉस किए हैं.पुष्पा 2 का ट्रेलर पटना के गांधी मैदान में 17 नवंबर को लॉन्च किया गया. मेकर्स पुष्पा 2 के लिए बड़े लेवल की तैयारी कर रहे हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के प्रमोशन के लिए कई बड़े शहरों का टूर किया जा रहा है जिनमें पटना, कोलकाता, हैदराबाद, चेन्नई, मुंबई, बैंग्लोर और कोच्चि शामिल हैं. इसकी शुरुआत 17 नवंबर को पटना से हो गई है. फिल्म 5 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है. फिल्म में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल अहम रोल में हैं.

एक हाथ में खंजर, दूजे में शराब, बागी 4 से टाइगर श्राफ का खूंखार फर्स्ट लुक आउट, रिलीज डेट भी अनाउंस

टाइगर श्रॉफ की बागी 4 की रिलीज डेट का अनाउंसमेंट हो चुका है वो भी एक खतरनाक पोस्टर के साथ. जिसमें टाइगर श्रॉफ खूंखार अवतार में नजर आ रहे हैं. हाल ही में टाइगर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर बागी 4 का नया पोस्टर रिलीज किया. इसके साथ ही उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी. इस फ्रेंचाइजी की तीनों फिल्में हिट रही हैं.नए पोस्टर में टाइगर श्रॉफ एक नए और खूंखार अवतार में नजर आ रहे हैं. उनके लुक से लग रहा है कि बागी 4 फुल ऑफ एक्शन से भरपूर होने वाली है. पोस्टर में टाइगर हाथ में चाकू और पास में शराब की बोतल लिए टॉयलेट सीट पर बैठे नजर आ रहे हैं. उनका चेहरा, दीवारें और फर्श खून से लथपथ हैं, टाइगर का लुक देखते ही फैंस सरप्राईज हो गए क्योंकि इस अवतार में दर्शकों ने टाइगर को कभी नहीं देखा. टाइगर ने पोस्ट को कैप्शन दिया, एक गहरी भावना, एक खूनी मिशन, इस बार वह वैसा नहीं है. साजिद नाडियाडवाला की बागी 4. नए पोस्टर के साथ टाइगर ने बागी 4 की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी है. फिल्म 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. बागी फ्रेंचाइजी की शुरुआत 2016 में पहली फिल्म की रिलीज के साथ हुई, जिसका निर्देशन सब्बीर खान ने किया था. एक हाई–ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर, बागी कुछ हद तक 2004 की तेलुगु फिल्म वर्शम और 2011 की इंडोनेशियाई फिल्म द रेडरू रिडेम्पशन से प्रेरित थी. फिल्म में टाइगर श्रॉफ, श्रद्धा कपूर और सुधीर बाबू ने काम किया था. जिसके बाद इसका सीक्वल, बागी 2, 2018 में आया जिसे अहमद खान ने निर्देशित किया था ये तेलुगु फिल्म क्षणम की रीमेक थी. इसमें टाइगर के साथ दिशा पटानी, मनोज बाजपेयी, रणदीप हुडा और अन्य कलाकार शामिल थे. तीसरी फिल्म बागी 3 (2020) को भी अहमद खान ने निर्देशित किया था. इसमें टाइगर, रितेश देशमुख और श्रद्धा कपूर लीड रोल में थे.वर्कफ्रंट की बात करें तो टाइगर को हाल ही में सिंघम अगेन में देखा गया जिसमें अजय देवगन लीड रोल में थे. ये एक मल्टी स्टारर फिल्म थी जिसमें अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, अर्जुन कपूर, करीना कपूर जैसे कलाकार नजर आए.

कंगुवा बाक्स आफिस कलेक्शन दिन 4 सूर्या–बाबी देओल की फैंटेसी एक्शन फिल्म ने वर्ल्डवाइड 100 करोड़ का आंकड़ा किया पार

शिवा की एक्शन से भरपूर फिल्म कंगुवा बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास परफॉर्म नहीं कर रही है. 14 नवंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने चार दिनों में ही भारत में सभी भाषाओं में 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. साथ ही दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म ने सफलता हासिल की है.एक्शन फिल्म ने 24 करोड़ रुपये कमाए. इसने सूर्या की स्टार पावर और फिल्म की मास अपील का आगाज किया का प्रमाण है. हालांकि दूसरे दिन फिल्म का ग्राफ गिरा और फिल्म ने सिंगल डिजिट में कमाई दी. शुक्रवार को फिल्म ने 9.5 करोड़ रुपये (नेट) का कलेक्शन किया.वहीं रिलीज के तीसरे दिन कंगुवा ने अपने बॉक्स ऑफिस नंबरों में मामूली उछाल देखा, जिसने 9.85 करोड़ रुपये कमाए. पहले रविवार यानी चौथे दिन फिल्म ने 10.50 करोड़ रुपये की कमाई की. चार दिनों के बाद कंगुवा ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर कुल लगभग 53. 85 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. मेकर्स कंगुवा के वर्ल्डवाइड कलेक्शन के बारे में टाइम टू टाइम अपडेट दे रहे हैं. फिल्म ने अपने पहले दिन दुनिया भर में 53.85 करोड़ रुपये की भारी कमाई की. वहीं दूसरे दिन 89.32 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. रविवार (17 नवंबर) को मेकर्स ने तीसरे दिन का वर्ल्डवाइड कलेक्शन के में अपडेट दिया है. मेकर्स ने अनुसार, कंगुवा ने दुनियाभर में 127.64 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है.जहां फैंस और दर्शक कंगुवा के हाई–ऑक्टेन एक्शन और सूर्या की बेहतरीन एक्टिंग की तारीफ कर रहे हैं, वहीं, फिल्म की कमजोर स्क्रिप्ट और भारी भरकम साउंड डिजाइन की आलोचनाएं की हैं. इन समीक्षाओं को लेकर मेकर्स केई ज्ञानवेल राजा ने फैंस और दर्शकों को आश्वस्त किया है कि भविष्य में सिनेमाई अनुभव को बेहतर बनाने के लिए बदलाव किए जाएंगे. उन्होंने फीडबैक का सीधे तौर पर जवाब दिया है.

बाक्स आफिस पर सिंघम अगेन की हालत पस्त, 17वें खाते में आए इतने करोड़ रुपये

अजय देवगन इन दिनों फिल्म सिंघम अगेन में नजर आ रहे हैं। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर इसकी पहले दिन की कमाई देख लग रहा था कि यह जमकर नोट छापेगी, लेकिन इसकी रिलीज को 17 दिन पूरे हो चुके हैं और यह अपनी लागत निकालने से अभी कोसों दूर है।आलम यह है कि सिंघम अगेन पर फ्लॉप होने का खतरा बढ़ गया है।आइए जानते हैं सिंघम अगेन ने 17वें दिन कितने करोड़ रुपये का कारोबार किया है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, सिंघम अगेन ने अपनी रिलीज के 17वें दिन यानी तीसरे रविवार को 4.15 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 230.75 करोड़ रुपये हो गया है।सिंघम अगेन का बजट 350 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।इस फिल्म से निर्माताओं के साथ–साथ दर्शकों को भी काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह शानदार शुरुआत के बाद से ही सिनेमाघरों में दर्शक जुटाने के लिए संघर्ष कर रही है। सिंघम, सिंघम 2, सिंबा और सूर्यवंशी के बाद सिंघम अगेन रोहित के कॉप यूनिवर्स की पांचवीं किस्त है, वहीं यह फिल्म साल 2011 में आई फिल्म सिंघम की तीसरी कड़ी है। इसका सीक्वल 2014 में आया था।इसमें अजय की जोड़ी करीना कपूर के साथ बनी है। रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ और जैकी श्रॉफ जैसे सितारों ने भी फिल्म में अभिनय किया है।इसके अलावा फिल्म के अंत में सलमान खान और अक्षय कुमार का कैमियो भी है।

फिल्म भूल भुलैया 3 की कमाई तीसरे सप्ताह में भी जारी, जानिए 17वें दिन का कारोबार

कार्तिक आर्यन, तृप्ति डिमरी, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित की उम्दा अदाकारी से सजी फिल्म भूल भुलैया 3 को सिनेमाघरों में रिलीज का तीसरा सप्ताह चल रहा है और यह दर्शकों के बीच अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है।पिछले कुछ दिनों से फिल्म की दैनिक कमाई लगातार घटती जा रही है, लेकिन वीकेंड पर फिल्म के काराबोर में इजाफा देखने को मिला है।आइए जानते हैं भूल भुलैया 3 ने 17वें दिन कितने करोड़ रुपये का कारोबार किया।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, भूल भुलैया 3 ने अपनी रिलीज के 17वें दिन यानी तीसरे रविवार को 6 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 231. 40 करोड़ रुपये हो गया है।भूल भुलैया 3 के निर्देशक अनीस बाज्मी हैं। राजपाल यादव, अश्विनी कालसेकर और संजय मिश्रा भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।भूल भुलैया 3 2007 में आई फिल्म भूल भुलैया का तीसरा भाग है। इस फिल्म का सीक्वल 2022 में आया था।बॉक्स ऑफिस पर भूल भुलैया 3 का सामना अजय देवगन और रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन से हो रहा है। यह फिल्म 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसने अब तक 230.75 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है।इसके अलावा सूर्या और बॉबी देओल की फिल्म कंगुवा भी इन दिनों सिनेमाघरों में लगी हुई है।उधर, विक्रांत मैसी की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट ने भी बीते 15 नवंबर को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटा दिया है।

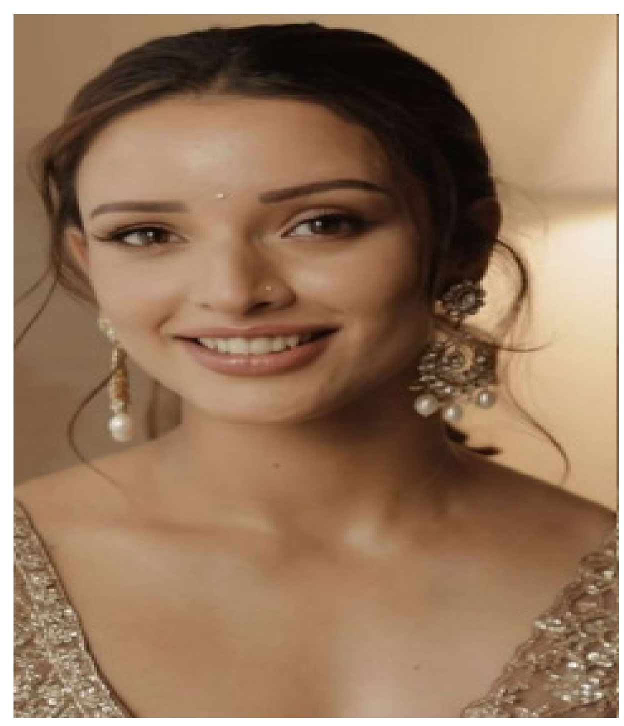

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपने पुराने अनुभवों को प्रशंसकों के बीच किया शेयर

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने हाल ही में अपने पिछले कुछ हफ्तों के अनुभवों को साझा करते हुए एक भावुक पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा किया।रविवार को, टॉयलेटरू एक प्रेम कथा स्टार भूमि पेडनेकर ने एक कैप्शन के साथ तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें उन्होंने प्रशंसकों को अपने पिछले कुछ दिनों के अनुभवों की एक झलक दिखाई। पोस्ट शेयर करते हुए भूमि ने लिखा, पिछले कुछ दिनरू सेट पर रहने से लेकर यह पता चलने तक कि मेरी सोल सिस्टर की शादी हो रही है।

भूमि पेडनेकर ने प्रशंसकों को अपने मस्ती भरे दिनों की एक झलक दिखाई। भूमि ने इससे पहले तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा था, सेल्फी गेम प्तसोमवार मोड में। तस्वीरों में भूमि अलग–अलग पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

पेडनेकर ने हाल ही में कुशा कपिला के टॉक शो टिंडर स्वाइप राइड में हिस्सा लिया। जहां उन्होंने अपने रिश्ते की प्राथमिकताओं के बारे में खुलकर बात की और यह बताया कि वह एक साथी में सबसे ज्यादा क्या महत्व रखती हैं। अपने व्यक्तित्व के लिए मशहूर अभिनेत्री ने साझा किया कि दूसरों के प्रति दया और सम्मान ही वे महत्वपूर्ण गुण हैं, जिन्हें वह एक संभावित साथी में देखना चाहती हैं।

अपने द्वारा खोजे जाने वाले गुणों पर चर्चा करते हुए भूमि ने भावनात्मक संबंध और आपसी समर्थन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा मैं ऐसा व्यक्ति चाहती हूं जो दयालु हो, लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करे, और जो मैं करती हूं, उस पर गर्व महसूस करे।

वहीं, वर्क फ्रंट की बात करें, तो भूमि का हालिया प्रोजेक्ट क्राइम थ्रिलर भक्त है, जिसमें वह सच्चाई को उजागर करने के लिए दृढ़ संकल्पित एक उग्र पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं। वह अगली बार मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित अपकमिंग कॉमेडी मेरे हसबैंड की बीवी में दिखाई देंगी। इस फिल्म में अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह भी प्रमुख भूमिका में हैं। इसके अलावा, भूमि नेटफ्लिक्स की अपकमिंग रोमांस सीरीज द रॉयल्स में अभिनय करने के लिए तैयार हैं, जिसमें ईशान खट्टर, जीनत अमान, नोरा फतेही और मिलिंद सोमन जैसे स्टार कलाकार भी शामिल हैं।

बाक्स आफिस पर द साबरमती रिपोर्ट की दैनिक कमाई में बढ़ोतरी, तीसरे दिन जुटाए इतने करोड़ रुपये

पिछले लंबे समय से अभिनेता विक्रांत मैसी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को लेकर चर्चा में बने हुए हैं।उनकी यह फिल्म बीते शुक्रवार यानी 15 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म ठीक–ठाक कमाई कर रही है।वीकेंड पर फिल्म की दैनिक कमाई में बढ़ोतरी देखने को मिली है।आइए जानते हैं द साबरमती रिपोर्ट ने तीसरे दिन कितने करोड़ रुपये का कारोबार किया है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, द साबरमती रिपोर्ट ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन यानी पहले रविवार को 3 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 6.35 करोड़ रुपये हो गया है।द साबरमती रिपोर्ट ने पहले दिन 1.25 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 2.1 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।फिल्म का बजट 50 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। द साबरमती रिपोर्ट का निर्देशन रंजन चंदेल ने किया है, वहीं एकता कपूर इस फिल्म की निर्माता हैं। फिल्म में विक्रांत एक पत्रकार की भूमिका में नजर आए हैं। उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हो रही है।फिल्म में विक्रांत के साथ रिद्धि डोगरा और राशि खन्ना ने भी अभिनय किया है।द साबरमती रिपोर्ट की कहानी साल 2002 की गोधरा ट्रेन जलने की घटना पर आधारित है।हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फिल्म की तारीफ की।

खूबसूरत साड़ी पहन प्रज्ञा जैसवाल ने शेयर की किलर तस्वीरें, मदमस्त अदाएं दिखाती नजर आईं एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कर अक्सर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टा पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक से इंटरनेट पर कहर बरपा दिया है।साउथ और बी–टाउन की जानी–मानी एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस के कारण सोशल मीडिया का तापमान बढ़ाए हुए रहती हैं।उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो काफी सुंदर नजर आ रही हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने रेड कलर की साड़ी और साथ ही स्लीवलेस डिजाइनर ब्लाउज पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही शानदार दिखाई दे रही हैं।खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।प्रज्ञा जैसवाल की इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपनी हुस्न की बेबाक अदाएं दिखाकर फैंस के दिलों पर बखूबी तरीके से खंजर चला रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

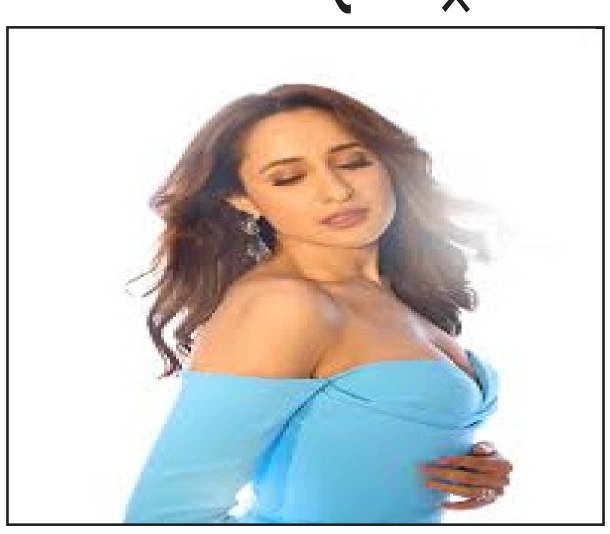

18 की उम्र में मिस यूनिवर्स और 40 से अधिक फिल्मों में काम, बर्थडे पर डालिए सुष्मिता सेन के फिल्मी सफर पर एक नजर

बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन आज यानी की 19 नवंबर को 49वां जन्मदिन मना रही हैं। साल 1994 में ही वह मिस यूनिवर्स चुनी गईं। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर अभिनेत्री सुष्मिता सेन के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में। बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन आज यानी की 19 नवंबर को 49वां जन्मदिन मना रही हैं। बता दें कि आंध्रप्रदेश के हैदराबाद में 19 नवंबर 1975 को सुष्मिता सेन का जन्म हुआ था। इनके पिता सुबीर सेन एयर फोर्स में विंग कमांडर थे। जबकि उनकी मां शुभरा सेन ज्वेलरी के बिजनेस से ताल्लुक रखती थीं। सुष्मिता ने साल 1994 में मिस इंडिया की प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। इसमें वह फर्स्ट आई थीं। फिर साल 1994 में ही वह मिस यूनिवर्स चुनी गईं। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर अभिनेत्री सुष्मिता सेन के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...बता दें कि साल 1996 में प्रदर्शित फिल्म दस्तक से सुष्मिता सेन ने अपने सिने करियर की शुरूआत की थी। लेकिन यह फिल्म कुछ खास नहीं कर पाई। इसके बाद साल 1997 में अभिनेत्री को सनी देओल के साथ काम करने का मौका मिला और यह फिल्म भी फ्लॉप साबित हुई। साल 1999 में एक्ट्रेस के लिए काफी अच्छा साल साबित हुआ। इस साल सुष्मिता सेन की फिल्म श्बीबी नंबर वनश और शसिर्फ तुमश सुपरहिट फिल्में साबित हुईं। फिल्म बीबी नंबर वन के लिए एक्ट्रेस को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री को फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साल 2002 में सुष्मिता सेन को मेघना गुलजार के साथ काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री सुष्मिता सेन मेघना की फिल्म शफिलहालश का हिस्सा बनीं। यह मेघना की भी पहली निर्देशित फिल्म थी। इस फिल्म में अपनी शानदार एक्टिंग के लिए एक्ट्रेस को एक बार फिर फिल्म फेयर पुरस्कार के लिये नामांकित किया गया। इसके बाद साल 2004 में आई फिल्म श्मैं हूं नाश सुष्मिता के फिल्मी करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में शामिल है।इस फिल्म में सुष्मिता को पहली बार शाहरुख खान के साथ काम करने का मौका मिला। यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई और फिर साल 2005 में एक्ट्रेस ने सलमान खान के साथ फिल्म श्मैंने प्यार क्यों कियाश जैसी सुपरहिट फिल्म दी। हालांकि इसके अलावा भी अभिनेत्री ने अन्य कई फिल्मों में काम किया, लेकिन वह फिल्में बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं कर पाईं।

बता दें कि सुष्मिता सेन की साल 2010 में फिल्म श्नो प्रॉब्लमश रिलीज हुई।

मत्स्य विकास फाउंडेशन के गठन को लेकर की गई बैठक

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जिलाधिकारी डॉक्टर राजा गणपति आर की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेंद्र कुमार की उपस्थिति में मत्स्य विकास फाउंडेशन के गठन के संबंध में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। जिलाधिकारी डॉक्टर राजा गणपति आर ने उपस्थित मछली पालन को मत्स्य विकास फाउंडेशन में लाइफटाइम सदस्यता शुल्क घ5000 एवं सामान्य सदस्य एक साल के लिए घ200 जमा करके ज्यादा से ज्यादा सदस्यों को जुड़ने की अपील की गई जिलाधिकारी ने बताया कि मत्स्य विकास फाउंडेशन के गठन से जनपद के मछली पालकों को मछली का उचित मूल्य प्राप्त होगा तथा अन्य कई मछली मंडियो में बिक्री के लिए विकल्प भी मिलेगा मछली मंडी जिला प्रशासन द्वारा मुहैया कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि कई किसान एक साथ मिलकर फिश फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी बनाकर भी मछली पालन कर सकते हैं तथा उसकी मछली मंडी में बिक्री कर अच्छी आय प्राप्त कर सकते हैं जिलाधिकारी ने सहायक निदेशक मत्स्य को निर्देश दिया कि संबंधित उप जिलाधिकारी से समन्वय स्थापित करके बढ़नी में ऑफिस के लिए जमीन चिन्हित कराए जिलाधिकारी ने खेसरा ब्लॉक के पचमोहनी में राजकीय मत्स्य प्रक्षेत्र को सक्रिय करने हेतु सहायक निदेशक मत्स्य को निर्देश दिया जिससे जनपद के मछली पालकों को अपने जनपद में ही फिश सीड प्राप्त हो सके। जिलाधिकारी ने सहायक निदेशक मत्स्य को 15 दिन के अंदर मत्स्य विकास फाउंडेशन के गठन के संबंध में समस्त तैयारियां पूर्ण करने का निर्देश दिया। इस बैठक में सहायक निदेशक मत्स्य नंद किशोर, लीड बैंक अधिकारी आर के सिन्हा तथा मछली पालक उपस्थित थे।

केन्द्रीय विद्यालय में करियर काउंसिल फेयर का किया गया शुभारंभ।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय, सिद्धार्थनगर के परिसर में करियर काउंसलिंग फेयर का शुभारम्भ मुख्य अतिथि मण्डायुक्त बस्ती मण्डल, बस्ती अखिलेश सिंह, विशिष्ट अतिथि पुलिस महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र बस्ती आर0के0 भारद्वाज, कुलपति सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु डा0 कविता शाह, जिलाधिकारी डा0 राजागणति आर, मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार एवं अन्य अधिकारियों द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर एवं मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय, सिद्धार्थनगर के छात्राओ द्वारा सरस्वती बन्दना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर द्वारा मुख्य अतिथि मण्डायुक्त बस्ती मण्डल, बस्ती अखिलेश सिंह, विशिष्ट अतिथि पुलिस महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र बस्ती आर0के0 भारद्वाज को गमला देकर स्वागत किया गया मुख्य विकास अधिकारी श्री जयेन्द्र कुमार द्वारा कुलपति सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु डा0 कविता शाह, जिलाधिकारी डा राजा गणपति आर0 को गमला देकर स्वागत किया गया जिला विद्यालय निरीक्षक सोमारू प्रधान द्वारा गौरव त्रिपाठी, आई.पी.एस., डा0 अरूण त्रिपाठी निदेशक एल.वन. कोचिंग वाराणसी, एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र को गमला देकर स्वागत किया गया प्रधानाचार्य केन्द्रीय विद्यालय नीरज कुमार शुक्ला द्वारा शंशाक शर्मा निदेशक नेक्सट आई.ए.ए., को गमला भेट किया गया प्रबन्धक ग्रामोद्योग दीपक मिश्रा द्वारा अभिषेक मिश्रा, दृष्टि आई.ए.एस. दिल्ली को गमला भेट कर स्वागत किया गया।

करियर काउंसलिंग फेयर के अवसर पर मुख्य अतिथि मण्डायुक्त बस्ती मण्डल, बस्ती अखिलेश सिंह ने कहा कि हम लोगो के समय में जानकारी नही होती थी

कि क्या करना है आज बहुत प्रकार के आप्सन है आप लोग मेडिकल, इंजीनियर बन सकते है। यह गौतम बुद्ध की धरती है पहले आप अपने आप को पहचानिए कि क्या करना चाहते है अपने लक्ष्य को प्राप्त करे मण्डायुक्त बस्ती मण्डल, बस्ती श्री अखिलेश सिंह ने उपस्थित बच्चों से कहा कि उम्मीद है कि आप लोग करियर काउंसलिंग फेयर के आयोजन का लाभ उठाएं और अपने लक्ष्य को प्राप्त कर आगे बढ़ें विशिष्ट अतिथि पुलिस महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र बस्ती आर0के0 भारद्वाज ने कहा कि भगवान बुद्ध की धरती पर हो रहे करियर काउंसलिंग फेयर के लिए बधाई दी उन्होंने कहा कि पहली बार इस प्रकार का आयोजन हो रहा है इसके माध्यम से आप लोग जानकारी प्राप्त कर अपने लक्ष्य के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते है तथा अपना लक्ष्य प्राप्त करने में करियर काउंसलिंग फेयर सहायक सिद्ध होगा करियर काउंसलिंग फेयर के प्रथम सत्र मोटिवेशनल स्पीच सत्र में कुलपति सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु डा0 कविता शाह ने कहा कि करियर काउंसलिंग फेयर से हमे रास्ता मिलता है कि क्या करना है जो हम 35 वर्ष में पाते थे सही मार्गदर्शन मिलनपे पर उसे कम समय में प्राप्त कर सकते है। हमे सही करियर पाने के लिए बेहतर कार्य करना होगा हमे जो भी प्राप्त करना है उसके लिए लक्ष्य पूर्व से निर्धारित होना चाहिए अपना प्लान तैयार कर, लक्ष्य बनाकर तैयारी करे। आप मेहनत करे अच्छी जॉब पा सकते है। चाहे आप मेडिकल, इंजीनियर, प्रशासनिक सेवा, शिक्षक, विजनेसमैन आदि के क्षेत्र में जा सकते है हमारा करियर कैसे बनता है यह हमारे हाथ में है हमें एकाग्रचित होकर अपने लक्ष्य को प्राप्त करना है।

करियर काउंसलिंग फेयर के द्वितीय सत्र सिविल सर्विसेज सेशनध्लॉ में गौर त्रिपाठी, आई.पी.एस., अभिषेक कुमार मिश्रा, दृष्टि आई.ए.एस., दिल्ली, मनोज कुमार तिवारी, अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश, सिद्धार्थनगर द्वारा उपस्थित बच्चों को करियर काउंसलिंग फेयर एवं अपना करियर कैसे बनाये आदि के बारे में जानकारी दी गयी करियर काउंसलिंग फेयर के तृतीय सत्र इंजीनियरिंग एवं प्रबन्धन सत्र (जे.ई.ई., डिप्लोमा, एम.बी.ए., बी.बी.ए., बी.सी.ए., एम.सी.ए. आदि) में अरविन्द त्रिपाठी, निदेशक मोमेन्टम कोचिंग, डा0 एन0के0सिंह, निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी एण्ड मैनेजमेंट, गीडा गोरखपुर, डा0 आर0एल0श्रीवास्तव, पीएच.डी., प्रोफेसर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी एण्ड मैनेजमेंट, गीडा गोरखपुर, विकास अग्रवाल, मोमेन्टम कोचिंग द्वारा उपस्थित बच्चों को करियर काउंसलिंग फेयर एवं अपना करियर कैसे बनाये आदि के बारे में जानकारी दी गयी करियर काउंसलिंग फेयर के चतुर्थ सत्र मेडिकल सेंशन (नीट, पैरा मेडिकल, बी.फार्मा, एम.फार्मा, नर्सिंग आदि) में डा0 अरूण त्रिपाठी, निदेशक एल.वन.कोचिंग वाराणसी, प्राचार्य, माधव प्रसाद त्रिपाठी, मेडिकल कालेज सिद्धार्थनगर द्वारा उपस्थित बच्चों को करियर काउंसलिंग फेयर एवं अपना करियर कैसे बनाये आदि के बारे अपना अनुभव साझा किया तथा जानकारी दी गयी करियर काउंसलिंग फेयर के पंचम सत्र विविध (स्किल, इनोवेशन डिजाईन, इंटरप्रेन्योरशिप संगीत, खेल, कला इत्यादि) में डा0 अखिलेश दीक्षित, इन्क्यूबेशनल सेल, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कृष्णा नन्द तिवारी जैवलिन थ्रो, आदेश जायसवाल, सेगीत शिक्षक द्वारा उपस्थित बच्चों को करियर काउंसलिंग फेयर एवं अपना करियर कैसे बनाये आदि के बारे अपना अनुभव साझा किया तथा जानकारी दी गयी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ थीम पर प्राथमिक विद्यालय मगंराव एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय बूड़ा के बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, जिला अल्प संख्यक कल्याण अधिकारी तन्मय, जिला समाज कल्याण अधिकारी महपाल सिंह, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी वीरेन्द्र गुप्ता, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी राजन, प्रधानाचार्य राजकीय इन्टर कालेज नौगढ़ दयाशंकर यादव, अभिषेक कुमार, करूणाकान्त, व अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण, विभिन्न विद्यालयों के प्राधानाचार्य, बच्चे, एन0सी0सी0 के बच्चे आदि उपस्थित थे।

धान खरीद के संबंध में जिलाधिकारी ने की बैठक

सिद्धार्थनगर–धान खरीद वर्ष 2024–25 के संबध में जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई.। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर समीक्षा के दौरान कम खरीद करने वाले क्रय केन्द्रों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी जिलाधिकारी ने सभी क्रय केन्द्र प्रभारियों को निर्देश दिया कि प्रतिदिन 10 किसानों का रजिस्ट्रेशन करे इसके साथ ही उन्हें फोन कर के केन्द्र पर धान लाने हेतु प्रेरित करे जिलाधिकारी ने प्रत्येक केन्द्र प्रभारियों को प्रतिदिन प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष चारीददारी करने का निर्देश दिया इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होना चाहिए यदि लापरवाही हुई तो कड़ी कार्यवाही की जायेगी किसानो को 48 घन्टे में भुगतान कराने का निर्देश दिया जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि किसी भी प्रकार की शासकीय क्षति नही होना चाहिए। गाइडलाइन के अनुसार कार्य करे क्रय केन्द्र पर पीने के लिए पानी और बैठने के लिए छाया की व्यवस्था होनी चाहिए किसी भी प्रकार की समस्या नही होनी चाहिए क्रय केन्द्र प्रभारी की शिकायत मिलने पर संबंधित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी इस बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) उमाशंकर, जिला खाद्य विपणन अधिकारी गोरखनाथ त्रिपाठी, ए0आर0 कोआपरेटिव, प्रबन्धक एफ.सी.आई., पी.सी.एफ., सहकारिता, क्रय केन्द्र प्रभारी आदि उपस्थित थे।

डीएम ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कर दिए निर्देश

– निर्देश दिए कि एनएच के कट पर लगाए रबल स्ट्रिप, सांकेतिक बोर्ड

चित्रकूट।(आरएनएस) डीएम शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। उन्होंने प्रमुख चौराहा, मार्गों पर इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल, जेब्रा क्रॉसिंग, फुटपाथ चिन्हांकन, हेलमेट, सीट बेल्ट, रांग साइड ड्राइविंग, ओवर स्पीडिंग, ओवरलोडिंग, रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप के विरुद्ध कार्यवाही, ब्लैक स्पॉट सुंदरीकरण, सड़क दुर्घटनाओं को लक्ष्य के सापेक्ष मृतकों एवं घायलों की संख्या, दुर्घटना का कारण व कमी लाए जाने पर विचार विमर्श, गुड सेमेरिटन, मृतकों, घायलों को सहायता राशि के वितरण, गोल्डन आवर में चिकित्सीय सुविधा, ट्रामा सेंटर द्वारा उचित इलाज की व्यवस्था, पब्लिसिटी बैन से ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता आदि की समीक्षा बिंदुवार की। डीएम ने राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि रोड सेफ्टी के तहत एनएच की सड़कों पर जहां कट है वहां पर रंबल स्ट्रिप, सांकेतिक बोर्ड अवश्य लगाया जाए। मोहरवां पुल राजापुर को तत्काल ठीक करें। पुलिस क्षेत्राधिकारी यातायात से कहा कि बड़े वाहनों पर वहां से आने–जाने के लिए रोक लगाई जाए। अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि देवांगना मार्ग पर जो अंतर्राज्यीय गेट का निर्माण कराया गया है वहां पर निर्माण सामग्री पड़ी है उसे अच्छी तरह से साफ सफाई कराई जाए। सरधुआ से जो अर्की रोड अत्यंत खराब है उसको भी ठीक कराया जाए। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि जो मुख्य मार्गों पर विद्यालय है वहां पर प्रवेश द्वार पर रंबल स्ट्रिप की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। तहसील कर्वी के पास जो वाहन सड़क पर खड़े रहते हैं उनके लिए वाहन स्टैंड की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने उप जिलाधिकारी कर्वी, पुलिस क्षेत्राधिकारी तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से कहा कि संयुक्त भ्रमण कर टेंपो टैक्सी वाहन स्टैंड के लिए जगह चिन्हित कर व्यवस्थित कराया जाए। बैठक में सीओ यातायात राजेश कुमार द्विवेदी, अधिशासी अभियंता लोनिवि संतोष कुमार, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी विवेक कुमार शुक्ला, जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा, जिला पूर्ति अधिकारी आनंद कुमार सिंह, यात्री कर अधिकारी दीप्ति त्रिपाठी, प्रधानाचार्य चित्रकूट इंटर कॉलेज डॉ रणवीर सिंह चौहान, यातायात प्रभारी शैलेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मण्डलीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में चित्रकूट जनपद रहा आल ओवर चैंपियन

चित्रकूट(आरएनएस)। मण्डलीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता जनपद हमीरपुर में दो दिवसीय रैली का हुआ समापन। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष कुलदीप निषाद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक ने किया। मुख्य अतिथि ने विजेता छात्र–छात्राओं को पुरूस्कार एवं प्रमाण पत्र व मेडल देकर उत्साहवर्धन किया। जनपद चित्रकूट आल ओवर रैली मे चौंपियन रहा। जिला व्यायाम शिक्षक दयानंद सिंह ने बताया की प्राथमिक स्तर बालक वर्ग में कृष्ण कुमार यादव पहाड़ी 50मीटर, 100 मीटर व लम्बीकूद में प्रथम स्थान हासिल कर चौंपियन बना। वही जूनियर स्तर बालक वर्ग में कोमल कुमार उच्च प्राथमिक विद्यालय देउधा रामनगर एवं जूनियर स्तर बालिका वर्ग में यशी उच्च प्राथमिक विद्यालय उड़की मानिकपुर चौंपियन ट्राफी जीत कर अपने जिले का नाम रोशन किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वीके शर्मा ने कहा की जिस प्रकार छात्र–छात्राओं ने मण्डलीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करके अपने जनपद का नाम रोशन किया है अब उनको इसी प्रकार अपने मण्डल का नाम प्रदेश स्तर की प्रतियोगिता में नाम रोशन करना है। समस्त टीम प्रभारी एवं ब्लॉक व्यायाम शिक्षक व जिला व्यायाम शिक्षक विजेता छात्र–छात्राओं को निरंतर अभ्यास करते रहें। जिससे अपने मण्डल का प्रदर्शन और अच्छा हो सके। सभी टीम प्रभारी बधाई के पात्र हैं। कार्यक्रम का संचालन साकेत बिहारी शुक्ला ने किया इस मौके पर खण्ड शिक्षाधिकारी रामनगर, मानिकपुर मिथलेश कुमार, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष चित्रकूट अखिलेश पाण्डेय, ब्लाक व्यायाम शिक्षक पहाड़ी रामनारायण साहू, चित्रकूट महेन्द्र सिंह, मऊ रामयश, मानिकपुर खेमराज, अनुदेशक संघ के जिलाध्यक्ष श्याम सुंदर यादव, व्यायाम शिक्षक सुशील कुमार कुशवाहा, श्रीकेशन, सुरेन्द्र कुमार, प्रवीण कुमार, रामेश्वरी देवी, सुरेन्द्र सिंह, रामभूषण पाण्डेय, कमलेश कुमार यादव, शिवभूषण त्रिपाठी, राजकरण, अनिल सिंह, वागीश शुक्ला, विनोद सिंह, छेदीलाल सहित छात्र–छात्राऐ मौजूद रहे।

पूर्व सांसद ने फीता काटकर मानसिक स्वास्थ्य मेले का किया शुभारंभ

–मानसिक स्वास्थ्य शिविर में परीक्षण कर बांटी दवाएं

पहाड़ी (चित्रकूट)।(आरएनएस) सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़ी में मानसिक स्वास्थ्य मेले का शुभारंभ मंगलवार को मुख्य अतिथि पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल ने फीता काटकर किया। पूर्व सांसद ने कहा कि सरकार ने सभी बीमारियों के इलाज की व्यवस्था की है। मानसिक रोगियों के इलाज की सुविधा भी मुहैया कराई जाती है। कहा कि 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों आयुष्मान गोल्डन कार्ड के माध्यम से पांच लाख रुपए तक सरकारी एवं प्राइवेट अस्पताल में इलाज करा सकते हैं। सरकार गरीबों को रोग से मुक्त करने का बीड़ा उठाया है। आशा व एएनएम की सराहना करते हुए कहा कि सभी स्वास्थ्य योजनाओं को घर–घर तक पहुंचने में अहम योगदान निभाती है। गर्भवती महिलाओं व बच्चों के टीकाकरण से लेकर जागरूकता करने का कार्य करती है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी ने कहा कि मानसिक रोग कोई बीमारी नहीं है। भारी तनाव के चलते मानसिक रोग से प्रभावित हो जाता है। सभी लोग ज्यादा से ज्यादा तनाव मुक्त रहने का प्रयास करें। मोबाइल का प्रयोग कम करें। मानसिक रूप से स्वस्थ रहना जीवन के लिए अत्यधिक जरूरी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़ी में दूरदराज से आये मानसिक रोगियों का कैंप में चिकित्सकों ने परीक्षण करते हुए निशुल्क दवाएं दी। इसके अलावा आयुष्मान गोल्डन कार्ड, परिवार कल्याण, आरबीएसके, ओपीडी आदि स्टाल लगाए गए। केन्द्र के अधीक्षक उदय प्रताप सिंह ने अतिथियों के प्रति आभार जताया। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता शक्ति प्रताप सिंह तोमर, मानसिक रोग चिकित्सक डा नरेंद्रदेव पटेल, संजय कुमार, विनोद कुमार, आयुष चिकित्सक डा सुधीर सिंह, डा दीपक यादव डा मोहित विद्यार्थी, डा मोहिनी रैकवार, होम्योपैथिक डा सौम्या शुक्ला आदि मौजूद रहे।

परिक्रमा मार्ग के विकास को बनें प्राक्कलन, हटाएं अतिक्रमण – डीएम

चित्रकूट(आरएनएस)। डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने मंगलवार को परिक्रमा मार्ग के सौन्दर्यीकरण एवं विकास के संबंध में स्थलीय निरीक्षण किया। डीएम ने सदर एसडीएम, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, विद्युत विभाग, जल संस्थान, वन विभाग, पर्यटन विभाग के अधिकारियों से कहा कि जो परिक्रमा मार्ग का विकास कार्य कराया जाना है उसमें सभी संबंधित विभाग विद्युत पोल बॉक्स शिफ्टिंग, पाइप लाइन शिफ्टिंग, परिक्रमा के चौड़ीकरण, साफ सफाई आदि कार्यों का प्राक्कलन तैयार कराए। ताकि परिक्रमा मार्ग का पर्यटन विकास कराया जा सके। सदर एसडीएम से कहा कि वन विभाग के साथ पूरे परिक्रमा मार्ग का सीमांकन कराया जाए। अवैध अतिक्रमण तत्काल हटाएं। प्रत्येक सप्ताह राजस्व, पुलिस एवं नगर पालिका अभियान चलाकर परिक्रमा मार्ग के अतिक्रमण को हटाएं। किसी भी दशा पर परिक्रमा मार्ग पर अतिक्रमण नहीं होना चाहिए। परिक्रमा मार्ग में जो लोग नाली का पानी परिक्रमा मार्ग पर बहा रहे हैं उनको नोटिस देकर पेनाल्टी लगाया जाए। दुकानदार आगे दुकान बढ़ाए हैं उनके खिलाफ जुर्माना कराकर वसूली कराएं। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी को निर्देश दिए जूनियर हाई स्कूल खोही के पास गेट निर्माण का प्रस्ताव बनाया जाए तथा यहां पर कल्चरल सेंटर, टूरिज्म केंद्र की भी व्यवस्था सुनिश्चित करें। उप जिलाधिकारी कर्वी से कहा कि रामायण दर्शन के कनेक्टिविटी के लिए रास्ता बनाए जाने को वन विभाग से संपर्क कर व्यवस्था सुनिश्चित करें। बिरजा कुंड के पास एक शौचालय का और निर्माण कराया जाए। सीता कुंड के सौन्दर्यीकरण का भी प्राक्कलन तैयार करें। विपणन केंद्र के पास जो तालाब है उसका अतिक्रमण हटवा कर सौंदर्यीकरण के लिए प्रस्ताव बनाया जाए। उन्होंने कहा कि परिक्रमा मार्ग पर जिन लोगों को मकान गिराने का मुआवजा दिया गया है अगर वह अभी तक नहीं गिराए हैं तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जाए। डीएम ने आर्किटेक्ट से कहा कि मंदिरों, अखाड़ों के सौन्दर्यीकरण तथा जो खोही गांव की गलियां है उनके निर्माण आदि के डिजाइन तैयार कराए जाए। उन्होंने कहा कि मंदिरों तथा अखाड़ों के अंदर सौन्दर्यीकरण तथा पौराणिक कथाओं का वर्णन, रामायण का वर्णन, सेल्फी प्वाइंट, म्यूरल्स आदि कार्य के लिए जो जगह चिन्हित की गई है

किसानों की सुविधा के लिए होती है चकबन्दी प्रक्रिया – राजेश प्रसाद

चित्रकूट(आरएनएस)। चकबन्दी प्रक्रिया के दौरान किसानों को होने वाली समस्याओं एवं उनकी शिकायतों को सुनने के लिए अपर जिलाधिकारी न्यायिक एवं उप संचालक चकबन्दी राजेश प्रसाद ने मंगलवार को कलवारा खुर्द और अगरहुण्डा गांव में ग्राम चौपाल का आयोजन किया। जिसमें क्षेत्रीय किसानों की समस्याएं सुनी गईं।जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा किसानों की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से करने के निर्देश सभी विभागों को दिए गए है। खासतौर से चकबन्दी प्रक्रिया को निष्पक्षता और पारदर्शितापूर्वक गति प्रदान करने के लिए डीएम ने ग्राम चौपाल का आयोजन कराने को कहा है। जिसमें लम्बे अर्से से चकबन्दी के लिए चयनित गांवों में सुस्त पड़ी प्रक्रिया को गति प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में अपर जिलाधिकारी न्यायिक एवं उप संचालक चकबन्दी राजेश प्रसाद ने मंगलवार को कलवारा खुर्द और अगरहुण्डा गांव में चौपाल लगाकर चकबन्दी कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि जिले के 56 गांवों में चकबन्दी प्रक्रिया चल रही है। चकबन्दी का उद्देश्य गांव के किसानों को सुविधाएं प्रदान करना है। जिससे अलग–अलग टुकड़ों में बंटे किसानों के खेतों को उनके हक के अनुरूप एक ही स्थान पर कर दिया जाता है। इसके अलावा आवागमन के लिए चकरोड़ और नाली की व्यवस्था भी हो जाती है। इस प्रक्रिया के दौरान यदि किसी किसान को कोई समस्या हो या शिकायत हो, तो वह चौपाल में बता सकते है। इसके अलावा जिला मुख्यालय में आकर भी इसकी जानकारी उन्हें दी जा सकती है। जिससे चकबन्दी प्रक्रिया को गति प्रदान की जा सके। चौपाल में बंदोबस्त अधिकारी चकबन्दी मनोहर लाल वर्धन, सहायक चकबन्दी अधिकारी सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव, लेखपाल सुरेन्द्र कुमार, शुभम उत्तम समेत ग्राम प्रधान व किसान आदि मौजूद रहे।

हाईस्कूल–इंटर परीक्षा के लिए बोर्ड ने बनाए 38 केन्द्र

चित्रकूट(आरएनएस)। जनपद में हाईस्कूल व इंटर यूपी बोर्ड की परीक्षाएं 12 फरवरी से शुरू होंगी। डीआईओएस संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि बोर्ड ने 38 परीक्षा केन्द्र बनाए हैं। जिनमें राजकीय इंटर कालेज बरगढ़ ,राजकीय बालिका इंटर कॉलेज राजापुर,राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कर्वी, चित्रकूट इंटर कॉलेज कर्वी, गंगा प्रसाद जनसेवा इंटर कॉलेज कर्वी, सेठ राधाकृष्ण पोद्दार इंटर कालेज, आदर्श इंटर कालेज मानिकपुर, त्यागी इंटर कालेज, महर्षि वाल्मीकि इंटर कॉलेज खांडेहा, पुरुषोत्तम इंटर कालेज मऊ, गोस्वामी इंटर कालेज छीबो, तुलसी इंटर कॉलेज राजापुर, नाथूराम संकट मोचन इंटर कॉलेज बछरन, बजरंग इंटर कॉलेज सपहा, हनुमत इंटर कॉलेज नॉदीतौरा, पालेश्वरनाथ इंटर कॉलेज पहाड़ी, राजकीय इंटर कालेज धुरेटनपुर, जेपी इंटर कॉलेज कर्वी, बीबी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज बेड़ी पुलिया कर्वी, धीरेंद्र इंटर कालेज राजापुर, ज्ञान भारती इंटर कॉलेज कर्वी, छत्रपति साहू जी महाराज इंटर कालेज रगौली, स्व रघुवीर प्रसाद कन्या इंटर कॉलेज पहाड़ी, बालिका इंटर कॉलेज सरधुवा, बाबा प्राणनाथ इंटर कॉलेज पूरब पताई, चंद्रेश इंटर कालेज बरगढ़, एस सिंह पटेल, सिया सिंह पटेल कॉलेज खोपा,संतरीता इंटर कॉलेज मानिकपुर,परम विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, राजकीय आश्रम पद्धति बालिका विद्यालय सरधुवा, राजकीय हाईस्कूल सेमरिया चरणदासी, राजकीय हाईस्कूल नोनार में परीक्षा होनी है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।